गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2012-2014

मासिक गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

golalariya_darshan@yahoo.in
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 5 अंक : 10 पृष्ठ संख्या : 16 माह – 15 मार्च 2014 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

दो दशको के अंतराल के बाद जैन समुदाय राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक

नई दिल्ली। दो दशक के अंतराल के बाद जैन समुदाय को राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक मान्यता का निर्णय अन्ततोगत्वा केन्द्रीय सरकार ने काफी मशक्कत के बाद ले ही लिया। भारतीय संविधान में 'नागरिकों के मूलभूत अधिकार' चैप्टर के अंतर्गत 'सांस्कृतिक और शैक्षणिक अधिकारों' में अनुच्छेद 29 में 'अल्पसंख्यकों के अधिकार की सुरक्षा' एवं अनुच्छेद 30 में 'अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और प्रबंधन का अधिकार' है, जो समुदाय अपनी अलग भाषा, लिपि, संस्कृति और धर्म के अनुसार अल्पसंख्यक है और उपरोक्त का संरक्षण उनका अधिकार है। संविधान तथा केन्द्रीय एवं राज्य कानूनों द्वारा प्रदत्त अल्पसंख्यकों के इन अधिकारों की सुरक्षा, संरक्षण, संवर्धन, विकास और उनका उल्लंघन अतिक्रमण होने पर शिकायतों के निवारण के लिए नेशनल कमीशन फॉर माइनोरिटीज एक्ट 1992, 17 मई 1992 को संसद में पारित किया गया। इस एक्ट की धारा 2 (सी) के अंतर्गत माइनोरिटी वह मानी गई जिसे केन्द्रीय सरकार अधिसूचित करे। 23 अक्टूबर 1993 की अधिसूचना द्वारा ऐसे 5 समुदाय – मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध, सिख और पारसी राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक घोषित कर दिये गये और उन्हें संविधान तथा केन्द्रीय एवं राज्य सरकारों के कानूनों के अंतर्गत अल्पसंख्यक संरक्षण प्राप्त हो गया। **अब एक्ट की धारा 2 (सी) के अंतर्गत जैन समुदाय को राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा छठा समुदाय अधिसूचित कर दिया गया है और उन्हें भी नववर्ष से संवैधानिक और कानूनी अल्पसंख्यक संरक्षण प्राप्त हो गया।**

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 217] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 27, 2014/माघ 7, 1935
No. 217] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 27, 2014/MAGHA 7, 1935

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 27 जनवरी, 2014

का.आ. 267(अ).—राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 (1992 का 19) की धारा 2 खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा कल्याण मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 816(अ), दिनांक 23-10-1993 द्वारा उक्त अधिनियम के प्रयोजनों हेतु अल्पसंख्यक समुदायों के रूप में पहले से ही अधिसूचित अर्थात् मुस्लिमों, ईसाइयों, सिक्खों, बौद्धों और पारसियों के अलावा जैन समुदाय को अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में अधिसूचित करती है।

[फा. सं. 1-1/2009-एनसीएम]
ललित के. पंवार, सचिव

जैन समुदाय, जो संस्कृति और धर्म के आधार पर अधिसूचित 5 समुदायों में, पारसी के बाद सबसे कम जनसंख्या में थे और निर्विवाद रुप से अल्पसंख्यक थे, उन्हें 1993 की अधिसूचना में क्यो छोड़ा गया, इसका कारण किसी भी सरकारी फाइल में दर्ज नहीं है। वस्तुस्थिति यह है कि जैन समुदाय को केन्द्रीय सरकार ने नहीं छोड़ा, जैन समुदाय के एक वर्ग ने शामिल करने का विरोध करके अपने पैरों पर खुद कुल्हाडी मारी और दो दशक तक संवैधानिक और कानूनी अल्पसंख्यक संरक्षण से वंचित रह कर क्या खोया – क्या पाया, उसका आत्ममंथन भी समाज की भविष्य की सोच के लिए अपरिहार्य है।

समाज के कुछ वर्गो में मतिभ्रमित लोगों ने भ्रांति फैला दी कि अल्पसंख्यक होकर हम मुख्य सांस्कृतिक धारा से अलग हो जायेंगे। उनमें से किसी ने संविधान के अनुच्छेद 29 और 30 द्वारा प्रदत्त संरक्षण का अध्ययन करने का कष्ट नहीं किया। परिणामत: जैन धर्म के अनादि स्वतंत्र धर्म होने पर भी प्रश्न चिन्ह लग गया और हमारे शैक्षणिक और सांस्कृतिक संस्थानों की बात ही छोड़िये, हमारे उपासना और तीर्थ स्थलों पर अनवरत अतिक्रमण होता गया।

राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक घोषित होने पर संविधान और केन्द्रीय कानूनों द्वारा प्रदत्त संरक्षण और विकास योजनाओं का लाभ प्राप्त हो जाता है पर राज्य सरकारों के कानूनों द्वारा प्रदत्त संरक्षण और विकास योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए राज्य सरकारों द्वारा राज्य में अल्पसंख्यक अधिसूचित होना आवश्यक है। नेशनल कमीशन फॉर माइनोरीटिज एक्ट 1992 की तर्ज पर अभी तक कुल 13 राज्यों में स्टेट कमीशन फॉर माइनोरीटिज एक्ट बने, जिनमें 1993 की अधिसूचना के आधार पर केवल उपरोक्त 5 समुदाय अल्पसंख्यक की सूची में शामिल कर लिये गये। जिन राज्यों में स्टेट माइनोरिटीज एक्ट नहीं बने, उनमें भी उनके समाज कल्याण विभाग 1993 की अधिसूचना केवल 5 समुदायों को अल्पसंख्यक मानकर काम करते रहे। राज्यों में अल्पसंख्यक मान्यता प्राप्त करना भी टेढ़ी खीर थी क्योंकि राज्यों के कानून मंत्रालय केन्द्र सरकार ने जैन समुदाय को अल्पसंख्यक सूची से किसी वजह से छोड़ा होगा का प्रश्न चिन्ह लगाकर मुद्दे को लटकाते रहे।

अल्पसंख्यक मान्यता की मांग पर 1998 के पूर्व तक महासभा, दक्षिण भारत जैन सभा, परिषद्, महासमिति एवं अन्य क्षेत्रीय संस्थाएं केन्द्र एवं राज्य सरकारों को कानूनी स्वरुप के प्रतिवेदन देती रही थी। महासमिति ने आंदोलन का मार्ग अपनाया जिससे आम जैन समाज आंदोलित होकर सार्वजनिक तौर पर मुखर हो सके और यह राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरुप ले सके। अभियान के तहत जैन समुदाय के साथ किये गये अन्याय को सुधारने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को विभिन्न क्षेत्रों से लगभग पांच लाख पोस्ट कार्ड भेजे गये। इससे समाज में जागृति हुई और राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय संस्थाओं ने पश्चातवर्ती क्रम में मांग को गति दी।

जैन समुदाय विभाजित था। इस विभाजन को कम करने और क्रमश: खत्म करने को समाज की राष्ट्रीय संस्थाओं – महासभा, दक्षिण भारत जैन सभा, परिषद् एवं माहसमिति ने जोरदार मुहिम छेड़ी। 31 अक्टूबर 2002 को टी.एम.ए.पाई फाउन्डेशन रिट पिटीशन में सुप्रीम कोर्ट की 11 सदस्यीय संविधान बैंच ने विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के रिट पिटीशन क्लब करके अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थाओं के 11 'इशू' पर व्यवस्था दी पर पहले 'इशू' में शैक्षणिक संस्थाएं चलाने वाले समुदायों की राज्य में अल्पसंख्यक मान्यता के लिए, विभिन्न राज्यों में उनकी अलग–अलग जैन जनसंख्या के आधार पर, राज्य को माइनोरिटी के लिए 'यूनिट' माना।

29 मई 2001 से 24 जुलाई 2013 तक के 12 वर्षो में जैन समुदाय को अल्पसंख्यक कर चुके 14 राज्यों की जैन जनसंख्या देश की कुल जैन जनसंख्या का बहुमत 68.80 प्रतिशत थी, पर दिल्ली अभी भी दूर थी।

अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय ने 30 जुलाई 2010 को सूचित किया कि टी.एम.ए.पाई जजमेंट के कारण अब किसी समुदाय को अल्पसंख्यक मान्यता के लिए राज्य यूनिट है, हालांकि केन्द्रीय सरकार विधिवत् अधिकार सक्षम है। तत्कालीन तीर्थक्षेत्र कमेटी अध्यक्ष एवं महामंत्री ने कानूनी स्थिति की विभीषिका को समझा और पूर्व चीफ जस्टिस आफ इंडिया जस्टिस वी.एन. खरे, जो बाल पाटिल केस की बैंच में भी थे, पूर्व चीफ जस्टिस आफ इंडिया जस्टिस एम.एच. कानिया और पूर्व चीफ जस्टिस दिल्ली हाईकोर्ट जस्टिस अजित प्रकाश शाह से सुप्रीम कोर्ट के टी.एम.ए.पाई फाउन्डेशन जजमेंट एवं बाल पाटिल जजटमेंट और नेशनल कमीशन फॉर माइनोरिटीज एक्ट 1992 से जुड़े चार कानूनी मुद्दों (1) क्या नेशनल कमीशन फॉर माइनोरिटीज़ एक्ट 1993 के अंतर्गत जैन धार्मिक अल्पसंख्यक है (2) टी.एम.ए.पाई जजमेंट क्या जैन समुदाय को राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक मान्यता पर विपरीत प्रभाव डालता है; (3) क्या बाल पाटिल जजमेंट के कारण केन्द्रीय सरकार के नेशनल कमीशन फॉर माइनोरीटिज एक्ट, 1992 की धारा 2 (सी) के अंतर्गत किसी समुदाय को अल्पसंख्यक मानने के अधिकार में कोई कानूनी अड़चन है; एवं (4) कि क्या केन्द्रीय सरकार को संसद के सामने जाने की जरुरत है या सीधा गजट नोटीफिकेशन करने को सक्षम है?

शेष पेज नं. 6 पर...

परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन
अहमदाबाद

श्री कैलाशचंदजी जैन
झाँसी

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256
प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136
सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884
कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111
प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227
(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

संरक्षक सदस्य
श्री एस.के. जैन, भोपाल

आजीवन सदस्य
श्री राजकुमार जैन, मक्सी

यदि आपको गोलालारीय दर्शन पत्रिका प्राप्त नहीं हो रही है तो अपने शहर के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों से संपर्क कर पत्रिका प्राप्त करें।

शेष क्षेत्रीय प्रतिनिधियों की सूची आगामी अंकों में...

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/–
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/–
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/–
सहयोग राशि	500/–

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC: SBIN0003134 में जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी के साथ अपना नवीन पासपोर्ट साईज फोटो मय जानकारी के कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके। नोट – 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है। अत: बायोडाटा शुल्क चेक द्वारा पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन शुल्क (B&W)

अंतिम पेज	6000/–
फुल पेज (अंदर)	5000/–
1/2 पेज	3000/–
1/4 पेज	1500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	1000/–
शोक संदेश फोटो सहित	500/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	150/–

नववर्ष का स्वागत टिफीन पार्टी से

अनुपमा जैन, रेशु जैन, इन्दौर। गोलालारीय समाज की महिला इकाई स्तुति महिला मंडल ने नववर्ष का स्वागत इन्दौर के प्रसिद्ध रीजनल पार्क में टिफिन पार्टी का आयोजन कर किया। सभी महिलायें उत्साह एवं उमंग के साथ रीजनल पार्क पहुंची, जहां ग्रुप की अध्यक्षा श्रीमती किरण फणीश ने सबका अभिनंदन किया। प्रारंभिक नाश्ते के पश्चात सचिव श्रीमती भारती जैन ने मनोरंजक और कौशलयुक्त खेलों का संचालन किया जिसमें महिलाओं ने भाग लेकर भरपूर लुत्फ उठाया। इनमें प्रथम पुरस्कार एवं द्वितीय पुरस्कार का वितरण कार्यक्रम स्थल पर किया गया। तत्पश्चात सभी महिलाओं ने झील में बोटिंग का आनंद लिया। शाम को टिफीन पार्टी में सभी सदस्यों ने घर से बनाकर लाये विविध सुस्वादु व्यंजनों का लुत्फ उठाया। इस प्रकार की टिफिन पार्टीयां परस्पर सौहार्द्र और आत्मीयता का वातावरण निर्मित करती ही है और साथ ही कुछ नया सीखने का अवसर भी प्रदान करती है। सभा के अंत में सचिव ने सभी का आभार प्रकट किया।

नवनिर्माणाधीन 'जैन भवन' का शिलान्यास संपन्न

श्रेयांस धर्मसैया, अहमदाबाद। प्राचीन श्री 1008 संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, गोमतीपुर अहमदाबाद के परा विस्तार का प्रथम मंदिर जो अहमदाबाद की दिगम्बर जैन समाज का गौरव भी है। अहमदाबाद के जितने भी मंदिर दिगम्बर समाज के द्वारा स्थापित या संचालित है उसमें यह मंदिर भव्यता को छूने वाला है। परा विस्तार के सभी मंदिरों का मूल प्राचीन गोमतीपुर मंदिर के साथ जुड़ा हुआ है। यह मंदिर अहमदाबाद में सर्वप्रथम आये हमारे बुजुर्गों का स्मरण कराने वाला है। अत: इस धरोहर को उत्तरोत्तर प्रगतिशील बनाना हमारा कर्त्तव्य ही नही हमारा धर्म भी है। इस मंदिर में अतिशीघ्र निर्मित होने वाला जैन भवन हमारे धार्मिक क्रियाकलापों का केन्द्र बनेगा। जिसे हम अपना कहकर गौरव का अनुभव कर सकेंगे।

अपने पूर्वजों की विरासत, समाज की धरोहर के वैभव को, कला संस्कृति को, कुछ अपनापन पाने बनाने हेतु हम सहभागी बनकर अपने सपनों को साकार करें। निर्ग्रन्थ भट्टारक आचार्य बालयोगी 108 श्री जयसागरजी महाराज के सानिध्य में 27 फरवरी 2014 को भव्य शिलान्यास महोत्सव सानंद संपन्न हुआ जिसके प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र.पं. श्री ऋषभकुमारजी शास्त्री, नागपुर रहे।

जैन भवन बनाने की आवश्यकता – गुजरात में सिद्धक्षेत्र श्री गिरनारजी, श्री पालीताणा, श्री पावागढ़, श्री तारंगाजी, अतिशय क्षेत्र श्री महुवाजी, श्री उमताजी, श्री देरोलजी है। अहमदाबाद–गांधीनगर में कई अद्वितीय दर्शनीय स्थल जैसे अक्षरधाम, सनसेट सिनेमा, रिवरफ्रंट, जहां भारत वर्ष से धर्मप्रेमियों के आवागमन का ताँता लगा रहता है। कहीं से भी दर्शनार्थी आयें उन्हें अहमदाबाद स्टेशन पर ही उतरना पड़ता है। उन्हें ठहरने, भोजनादि के लिए देवदर्शन व सुरक्षित सुविधायुक्त स्थान न मिलने पर उन्हें घोर निराशा होती है। यह हम सभी ने महसूस किया – इस सुविधा को परिपूर्ण करने हेतु ''जैन भवन'' बनाने की तीव्र आवश्यकता है।

जैन भवन के लाभ – * समस्त मुनिगण, संघ आदि के ठहरने की व्यवस्था * उच्चतम अध्ययन हेतु विद्यार्थियों को रहने की सुविधा * व्यवसायिक लोगों को ठहरने की उत्तम सुविधा * इलाज हेतु बाहर से पधारने वालों को निवास की सहूलियत।

सामाजिक कार्यों में उपयोगी – * वैवाहिक कार्यक्रमों की संपन्नता * दु:खद प्रसंग पर एकत्र होने का स्थान * मंदिरजी व सामाजिक मीटिंग का एक स्थान * धार्मिक शिक्षण व शिविर की सुविधा।

इस योजना को पूरा करने में 1 से 1.50 करोड की राशि खर्च होने का अनुमान है, समाजजनों से सादर अनुरोध है कि वे आर्थिक सहयोग प्रदान कर इस सामाजिक जैन भवन को बनाने में मदद करें।

पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था मर्यादित इन्दौर

16 महारानी रोड, 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर

साधारण सभा की सूचना

गोलालारीय समाजजनों के हितार्थ भारत की प्रथम सहकारी साख संस्था की साधारण सभा दि. 30 मार्च 2014 को दोपहर 12.30 बजे श्री गोलालारीय समाज न्यास भवन, 64 न्यू देवास रोड पर आयोजित की गई है। जिसमें सदस्यों की आर्थिक उन्नति के लिये विचार विमर्श पश्चात आवश्यक निर्णय लिये जावेंगे। सदस्यों को साधारण सभा की सूचना नियमानुसार डाक द्वारा पृथक से भेजी जा रही है।

अध्यक्ष – विजयकुमार जैन

संचालक मंडल – राजेन्द्र कुमार जैन 'सायकलवाले', श्री बसंत कुमार जैन, श्रीमती शशि राजेन्द्रकुमार जैन, सुश्री कल्पना जैन, श्री अरुण जैन, श्री सुधेश जैन, श्री संजय जैन तुकोगंज, श्री राजेन्द्र जैन 'बागो'

अनुरोध – सदस्यों से निवेदन है कि वे समय पर पधारकर संस्था विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

प्रथम बार श्रमणाचार्य 108 श्री विरागसागरजी का ससंघ आगमन

कन्छेदीलाल जैन, विदिशा। विदिशा नगर के इतिहास में श्रमणाचार्य श्री विरागसागरजी का ससंघ आगमन दि. 17 दिसम्बर को अरिहंत विहार मंदिर में हुआ। आचार्यश्री की अगवानी हेतु नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया। आचार्यश्री की अगवानी मनोहर टॉकीज के पास सकल दि. जैन समाज द्वारा की गई, वहीं से आचार्य श्री को ससंघ बैंड–बाजों के साथ नगर के विभिन्न मार्गों से अपार जन सैलाब के साथ भव्य आगमन कर स्थान –स्थान पर आचार्यश्री के पाद प्रक्षालन एवं आरती करते हुए श्रावकगण आशीष प्राप्त कर अपने को भाग्यशाली मान रहे थे।

विशाल जुलूस के साथ आचार्यश्री अरिहंत विहार मंदिर में पहुंचे। प्रतिदिन दोनो समय श्रावकों को उपदेश सुनने को मिला। आचार्यश्री ने ससंघ विदिशा के सभी जैन मंदिरों के दर्शन किए। दि. 24 दिसम्बर को उनका अंतिम प्रवचन श्री महावीर दि. जैन मंदिर प्रांगण में हुआ जिसमें अपार जनसमूह उपस्थित था। शाम को 3 बजे अरिहंत विहार मंदिर से आचार्यश्री ने विहार किया, जिस पर श्रावकों की आंखे नम हो गई।

नव श्रृंगारित श्री महावीर दि. जैन मंदिर की प्रथम वर्षगांठ

कन्छेदीलाल जैन, विदिशा। परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनिश्री प्रशांत सागरजी महाराज एवं मुनिश्री निर्वेग सागरजी महाराज का भोपाल चातुर्मास के पश्चात विदिशा में प्रथम बार आगमन हुआ। मुनिद्वय श्री अरिहंत विहार मंदिर में विराजमान हुए। वही से दिन प्रतिदिन नगर के सभी मंदिरों के दर्शन हेतु गये। इसी श्रृंखला में श्री महावीर दि. जैन मंदिर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं श्री जी विराजमान होने की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दि. 3 दिसम्बर को मुनिद्वय के सानिध्य में 1008 श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन बा.ब्र. श्री अशोक भैयाजी के मार्गदर्शन में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। जिसमें श्रावकों ने बढ़चढ़कर सहभागिता कर पुण्य संचय किया।

श्री बाबूलालजी फणीश 'शास्त्री'

श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र पावागिरी ऊन जिला खरगोन (म.प्र.) में सन् 1974 से श्री महावीर दिगम्बर जैन गुरुकुल में प्राचार्य पद पर अपनी सेवायें प्रदान करने वाले जैन जगत के मूर्धन्य विद्वान प्रतिष्ठाचार्य **पंडित श्री बाबूलालजी फणीश 'शास्त्री'** का 7 जनवरी 2014 का निधन हो गया। सरलता एवं सादगी की प्रतिमूर्ति फणीशजी ने अपना संपूर्ण जीवन संस्कृति, समाज, संस्कार एवं देवशास्त्र गुरुओं की आराधना व जिनधर्म प्रभावना में समर्पित कर दिया। मूलत: ललितपुर जिले के डगराना ग्राम में 15 जुलाई 1928 को जन्में पंडितजी साहब समाज के अद्वितीय रत्न थे। अनेक चेतन एवं अचेतन कृतियों के सृजक पंडितजी साहित्य विशारद शास्त्री, साहित्यालंकार वाचस्पति, हिन्दी धर्मरत्न एम.ए. तक शिक्षित थे। अपनी विद्वता को पंडितजी ने अपने जीवन में उतारा और चारित्र के उच्चतम मार्ग पर चलकर दूसरों को अपनी वाणी के माध्यम से चलने के लिए प्रेरित किया। वे प्रतिमाधारी होकर 12 वर्ष की यम संलेखना धारी गृहस्थ जीवन के संत थे। पंडितजी जहां भी जाते क्षेत्र की रसीद बुक हमेशा उनके साथ रहती थी। आज उनकी तरह दान लेने की कला में महारथ रखने वाले व्यक्तित्व लगभग समाप्त हो गए है। उन्होंने जो किया स्वयं के लिए नहीं परमार्थ के लिए किया। उनका यह आचरण स्तुतनीय, वंदनीय एवं अनुकरणीय है।

गुरुकुल के माध्यम से सेवाएँ – अपने बच्चे तो सभी जीव पाल लेते है लेकिन दूसरों के निर्धन, परेशान, अनाथ बच्चों को स्नेह, संस्कार प्रदान करने वाले व्यक्ति बिरले ही होते है। जिन्होंने 1960 से 1974 तक श्री वर्णी दि. जैन गुरुकुल पिसनहारी की मड़िया जबलपुर एवं विगत 40 वर्षो से महावीर दि. जैन गुरुकुल के प्राचार्य पद पर अपनी सेवाएँ देकर सैकड़ो छात्रों को लौकिक शिक्षा के साथ संस्कार युक्त धार्मिक शिक्षा प्रदान की, आज ये छात्र देश विदेश में उच्च पदों पर अपनी सेवाएँ दे रहे है। वे व्यक्ति नहीं एक संस्था थे।

साहित्य क्षेत्र में योगदान – पं. फणीशजी का काव्य संग्रह 'शांतिदूत', आत्म साधना के दशलक्षण धर्म, जैनम् जयति शासनम्' सहित अनेक पुस्तकें प्रकाशित हुई। वे आशु कवि थे, तुरंत हर मौके पर कविता बनाकर प्रस्तुत करना उनका शौक था। अनेक क्षेत्रों की पूजाएं भी उन्होंने लिखी। आकाशवाणी से भी कविताओं का प्रसारण हुआ विगत चार दशकों से देशभर के श्रेष्ठी, संतों के जीवन पर आधारित अभिनंदन ग्रंथों में उनकी कविताएँ अवश्य ही प्रकाशित हुई है। संस्कृत सुधा पत्रिका का संपादन कार्य भी आपने सुचारु रुप से किया।

कुशल प्रवचनकार एवं प्रतिष्ठाचार्य – मालवा-निमाड़ सहित देश में होने वाली पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव, वेदी प्रतिष्ठा, सिद्धचक्र मंडल विधान, इन्द्रध्वज मंडल विधान आदि में पंडितजी साहब की विशेष ख्याति थी। संस्कृति एवं प्राकृत भाषा में जैनाआगम के श्लोको को सरल भाषा में रुपांतरण करना आपकी प्रवचन शैली का अंग था। देश के शीर्षस्थ विद्वान संहित सूरि पंडित नाथुलालजी शास्त्री एवं गोलालारीय समाज के कोहिनूर रत्न पं. बंशीधरजी शास्त्री आपकी शिक्षा एवं दीक्षा के गुरु थे। अपने गुरुओं की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से अर्जित ज्ञान को फणीशजी ने समाज में लुटाया एवं अनेकों चेतन एवं अचेतन कृतियों का सृजन कर जिन धर्म प्रभावना की।

दान प्रेरणा की प्रतिमूर्ति – मर जाऊँ मांगू नही, अपने तन के काज । परमारथ के कारणें, मुझे न आवे लाज।। यह दो लाईनें आपने कई जगह लिखी देखी होगी, पं. फणीशजी ने जीवन भर इन लाइनों का पालन किया और पावागिरी ऊन की अनेक योजनाओं में दान लिया व स्वयं भी दिया। महावीर दि. जैन गुरुकुल भवन निर्माण, वाचनालय भवन निर्माण, भगवान कुन्थुनाथ अरहनाथ प्रतिमा जीर्णोद्धार, भगवान महावीर मंदिर सौंदर्यीकरण, कमरे निर्माण सहित ऊन की अनेक योजनाओं में दान लेने में उन्होंने प्राणपण से कार्य किया। क्षेत्र के विकास में उनका योगदान अवर्णनीय व अविस्मरणीय है।

भारतवर्षीय दि. जैन महासभा, महावीर ट्रस्ट एवं सामाजिक ससंद इन्दौर, भारतवर्षीय दि. जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी, अ.भा. दि. जैन शास्त्री परिषद, श्री गोलालारीय दि. जैन समाज, दि. जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, प्रतिष्ठाचार्य पं. ब्र. गुलाबचंद पुष्प, बा.ब्र. जय निशांत एवं पं. सनत विनोद जैन रजवांसा एवं अन्य संस्थाओं ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की । आचार्य श्री धर्मसेनजी महाराज ससंघ के सानिध्य में 19 जनवरी को शांति विधान एवं विनयांजलि सभा में संपूर्ण निमाड एवं मालवा के समाजजनों ने अपनी भावनायें व्यक्त कर कहा कि विद्वान समाज की धरोहर है उनके बिना समाज का उत्थान संभव नहीं। व्यक्ति की पहचान उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से होती है। सरलता से जीवन जीने वाले पंडितजी ने मृत्यु का वरण भी सरलता से किया।

श्री गुलाबचंद तामोट

श्री गुलाबचंदजी तामोट, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व मंत्री म.प्र. शासन, जैन समाज के ऐसे बहुमूल्य रत्न है जिन्होंने न केवल गोलालारीय समाज वरन् जैन समाज का गौरव बढ़ाया है अपितु पूरे देश में अपने कार्यो से भी अमिट छाप छोड़ी है। निर्भीक, ईमानदार, कर्मठ एवं अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाले गुलाबचंद तामोट युवावस्था से ही देश प्रेम से ओत प्रोत होकर स्वाधीनता संग्राम विशेष रुप से भोपाल राज्य के विलीनीकरण आंदोलन में अत्यंत सक्रिय रहते हुये आंदोलनरत रहे एवं देश की आजादी के लिये उन्हें जेल भी जाना पड़ा। भोपाल राज्य का विलीनीकरण आंदोलन का इतिहास श्री तामोट के योगदान के बगैर अधूरा ही माना जायेगा। देश की स्वतंत्रता के बाद वैचारिक रुप से समाजवादी सिद्धांतों से प्रेरित होने के कारण श्री तामोट ने न केवल समाजवादी आंदोलन में अपना सहयोग प्रदान किया।

डॉ राम मनोहर लोहिया के निकटस्थ साथी के रुप में श्री तामोट समाजवादी आंदोलन के रुप में एक ऐसे नेता के रुप में उभरे जिन्होंने न केवल मध्यप्रदेश अपितु डा. राममनोहर लोहिया के निर्देश पर अन्य प्रदेशों में भी समाजवादी आंदोलन का नेतृत्व किया। श्री तामोट सन् 1952 में म.प्र. की प्रथम विधानसभा में विधायक के रुप में चुनकर आये और अपनी निर्भिक छवि, भाषाणों के कारण पूरे प्रदेश एवं देश में अपना एक स्थान बनाया। उनकी सक्रियता से न केवल शासकीय पक्ष डरा हुआ रहता था अपितु सचेत रखने का विपक्ष के नेता के रुप में जो विधायिका का कार्य है वह भी सुचारु रुप से कार्य करने हेतु मजबूर होना पड़ता था।

विधान सभा में विपक्ष के नेता के रुप में श्री तामोट को प्रदेश शासन के विरुद्ध कई वार अविश्वास प्रस्ताव लाने का गौरव भी प्राप्त हुआ है। 1966 के पश्चात तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री द्वारकाप्रसादजी मिश्र ने उनकी योग्यता को देखते हुए कांग्रेस में आने हेतु प्रेरित किया, जिससे उनकी कार्यक्षमता का योगदान प्रदेश के विकास में सहायक हो सके। 1967 में श्री द्वारकाप्रसाद मिश्र के मंत्रिमंडल में वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रुप में प्रदेश के वनो के सकल राष्ट्रीयकरण का गौरव भी श्री तामोटजी को प्राप्त है। श्री प्रकाशचंदजी सेठी एवं श्री श्यामचरणजी शुक्ला के मुख्यमंत्री काल में श्री तामोट को अनेक विभाग में मंत्री के रुप में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ और प्रदेश में अनेक सफल योजनाओं को क्रियांवित करने का गौरव प्राप्त हुआ। इन्दौर के नर्मदा जल योजना को समय सीमा से पूर्व कराना, लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं अन्य विभागों के कार्यकाल की मिसाल आज भी लोगों द्वारा दी जाती है।

श्री अर्जुन सिंह के मुख्यमंत्री अवधि में श्री तामोट को म.प्र. राज्य भंडार गृह निगम का अध्यक्ष बनाया गया, अपनी कार्यअवधि में श्री तामोट द्वारा पूरे प्रदेश में नये भंडार गृह बनवाकर निगम को एक लाभ देने वाले उपक्रम में परिवर्तित किया।

कर्त्तव्यनिष्ठ, ईमानदारी एवं अपनी बात अपने ही अंदाज में करते थे। भाषण के लिये श्री तामोट सभी के प्रेरणा स्त्रोत बने रहे। जैन समाज के लिये भी समय समय पर यथासंभव सहयोग बिना किसी प्रचार प्रसार के लिये करते रहे। समाज के निर्धन परिवारों, विशेष रुप से कन्याओं के शिक्षा, स्वास्थ्य के लिये उन्होंने अपनी ओर से अपने स्व. पिता श्री मूलचंदजी एवं माता श्रीमती गुनाबाई की स्मृति में एक ट्रस्ट 'श्री मूलचंद गुनाबाई जैन तामोट, लोक न्यास' का गठन किया जिसके द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 2.50 लाख रुपये का सहयोग सामाजिक हित के विभिन्न कार्यो में किया जाता है। जैन समाज के सपूत, कभी न विचलित होने वाले देश एवं प्रदेश के गौरव श्री गुलाबचंदजी तामोट दिनांक 21 जनवरी 2014 को 91 वर्ष की आयु में हमारे बीच नहीं रहे। पूरा जैन समाज अपनी ओर से उन्हें श्रद्धांजली अर्पित करता है। श्री गोलालारीय समाज के मंदिर व सांस्कृतिक भवन 64, न्यू देवास रोड का शिलान्यास आपके द्वारा ही दि. 2 मई 1976 को करा गया था, जो हमारे लिए गौरव का क्षण था। गोलालारीय समाज इन्दौर एवं गोलालारीय दर्शन परिवार अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विनम्र श्रद्धांजलि

सवाई सिंघई श्री दीपचन्द्र जैन (पहाड़गाँव वाले) का स्वर्गवास दिनांक 24 नवम्बर 2013 को छतरपुर में हो गया। आपने अपने ग्राम बुन्देलखण्ड की ऐतिहासिक नगरी पहाड़गाँव स्थित जैन मंदिर का सम्पूर्ण जीर्णोद्धार व विस्तार कराकर, वर्ष 2000 में सिद्धचक्र महामंडल विधान व रथयात्रा महोत्सव सम्पन्न कराया था। यूं तो आप जीवन भर आत्म साधना व धर्मध्यान करते रहे हैं तथापि अल्प बीमारी पश्चात, अंतिम समय में घर पर ही णमोकार-मंत्र का उच्चारण करते हुये शांत-वातावरण में देहावसान हुआ। आपकी धर्म के प्रति विशेष रूचि थी। आपकी स्मृति में आपके पुत्रों ने स्थानीय मंदिरों के लिए दान की घोषणा की। छतरपुर जैन समाज व गोलालारीय दर्शन परिवार विनम्र श्रृद्धांजलि अर्पित करता है।

नोट - यदि आप परिवार के सदस्य की पुण्य स्मृति में शोक संदेश प्रकाशित करवाना चाहते है तो प्रधान संपादक से संपर्क करे।

पं. भगवानदास जैन (1902–2000)

बुन्देलखंड में ललितपुर जिले का हर गांव जैन परिवार सहित रहा। वहीं ललितपुर से 12 मील दूर सिलगन में सन् 1902 में श्री कुंवरजी के यहां आपका जन्म हुआ। क्षेत्रपाल–ज्ञानस्थली थी, वहां प्रारंभिक शिक्षा प्रारंभ हुई। धर्म के संस्कार बने। जैन ग्रंथ, साहित्य पढ़ने की रुचि बढ़ी। तलस्पर्शी ज्ञान के धारक बने। संयोग ऐसा बना कि 1920 में मन्दसौर जाना हुआ। मंदसौर इतना भाया कि वही रम गये। आयुर्वेद में रुचि बढ़ी। ज्ञान का अच्छा क्षमोपसम था ही फलत: नाडी ज्ञाता वैद्य बने। जनकपुरा के जैन मंदिर (मंदसौर) के पास निवास बना। सागर के प्रसिद्ध परिवार जौहरी लक्ष्मणदास की इकलौती पुत्री के साथ विवाह हुआ। सागर ससुराल होने के कारण निरंतर बुंदेलखंड से जुड़े रहे। वर्णीजी के अनन्य भक्त रहे। मंदसौर में जैन पाठशालाये प्रारंभ की। अपने सहयोगी स्वभाव, ज्ञान, दबंग कार्यशैली से मंदसौर का आम जन बहुत प्रभावित हुआ एवं आप मंदसौर नगर पालिका के प्रथम अध्यक्ष बने। अपने कार्यकाल में पालिका भवन एवं मुख्य मार्गो का निर्माण कराया। सन् 1952, 1957 के मध्यभारत विधानसभा में मंदसौर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। 1968 में हिन्द महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष बने। महासभा का अधिवेशन 'सागर' में हुआ। अध्यक्ष की शोभायात्रा का विवरण प्रांतीय पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित हुआ।

जीवन भर मंदसौर के आस पास के साथ पूरे मध्यभारत में जैन सामाजिक कार्यो के क्रियान्वयन में सक्रिय कार्य किया। अच्छे तैराक व योगी रहे।

जैन अध्यात्म एवं व्यवहारिक विषयों में प्रामाणिक, सिद्धहस्त, दबंग वक्ता रहे। बहुत ही कम मे लोगों में विषय वस्तु का विवेचन, स्पष्टता एवं साहस से करने का इतना जज़्बा होता है, जितना आप में देखा गया। 20वीं सदी की लगभग सभी अ.भा. संस्थाए, विद्वत परिषद, महासभा परिषद, तीर्थ क्षेत्र कमेटी से जुड़े रहे। आपके सहयोग से अनेक छात्रों ने अपनी पढाई पूरी की। सन् 2000 में लंबी बीमारी के पश्चात आप पंचतत्व में विलीन हो गये। – संकलन, डॉ. पी.सी. जैन, चकराघाट, सागर

धन से मलिन होता धर्म

सम्पादकीय – वर्तमान समय ग्लैमर और चमक दमक का समय है। हर ओर धनाढ्य वर्ग के लोग धन–वैभव का प्रदर्शन करने का अवसर खोजते दिखाई पड़ते हैं। पारिवारिक, सामाजिक अथवा धार्मिक सभी अवसरों पर धन और शान शौकत का भरपूर दिखावा किया जाता है। यह व्यक्ति की सामाजिक प्रतिष्ठा के आकलन का आधार बन चुका है कि अमुक अवसर पर उसने कितना धन खर्च किया फिर चाहे वह बच्चे के जन्म, विवाह जैसे खुशी के अवसर हो या मृत्यु पश्चात उठावना, तेरहवीं आदि जैसे शोकाकुल क्षण।

हमारा जैन धर्म यूं तो त्याग और अपरिग्रह के लिये पहचाना जाता है, किंतु वर्तमान में धन वैभव के दिखावे से यह भी अछूता नहीं रहा है। धार्मिक आयोजनों में सादगी और सौहार्द का स्थान अब धन वैभव और ग्लैमर की चकाचौंध ने ले लिया है। पयूर्षण पर्व हो या दीपावली और महावीर जयंती, पंचकल्याणक महोत्सव हो या मुनिसंघों का आगमन, सभी अवसरों पर भारी तामझाम, विशाल वैभवपूर्ण राजसी छवि वाले पांडाल और मंच सज्जा, लाइट और साउंड इत्यादि की चकाचौंध में धर्म की मूल भावना, सात्विकता कहीं लुप्त प्राय: हो चली है। इन सभी कार्यक्रमों में जन सामान्य की रुचि कुछ धार्मिक लाभ लेने की होती है किंतु यहां भी 'धन' ही हावी रहता है। आयोजकों का मुख्य जोर बोलियों, चन्दे आदि द्वारा अधिक से अधिक धन संग्रह का रहता है और श्रावक संतवाणी सुनने को तरस जाते हैं। भक्तामर पाठ जैसे आयोजनों को भी अब गणनानुसार राशि लेकर धर्म प्रभावना का नाम दिया जा रहा।

धन का यह प्रदर्शन यहीं तक सीमित नहीं है। हमारी दैनिक धार्मिक क्रियायें भी अर्थप्रधान हो चुकी है। श्री जी का मंगल अभिषेक हो या पूजन, स्वर्ण, रजत और कहीं कहीं रत्नजडित पात्रों में किया जाता है । भगवान का जाप भी सोने या चांदी के मोतियों का माला से किया जा रहा है, इसके पीछे तर्क यह कि उत्कृष्ट पात्रों और उपकरणों का उपयोग करने से उत्कृष्ट फल की प्राप्ति होती है। हमारा धर्म मूलत: 'भावों की शुचिता' का धर्म है अर्थात शुद्ध और उत्कृष्ट भावों से उत्कृष्ट फल की प्राप्ति होती है। अब इन बहुमूल्य पात्रों और उपकरणों की साज संभाल और सुरक्षा में श्रावक के भाव कितने शुद्ध और स्थिर रह पाते है इसका विवेचन व्यर्थ है। वरन् इन सब से व्यक्ति में मान कषाय और परस्पर ईर्ष्या तथा वैमनस्य जरूर बढ़ता है। किंतु खेद जनक है कि इन सब क्रियाओं के प्रोत्साहन में हमारे साधु–सन्तों का भी समर्थन है। कितना अच्छा हो कि हमारे पूज्य आचार्य व साधुगण श्रावकों को धन को परे रखकर भावों की निर्मलता पर जोर दें।

हर छोटे बड़े धर्मिक समारोह में अनेक प्रकार की बोलियों लगाने की प्रथा बढ़ती जा रही है, इनमें ऊंची ऊंची बोलियाँ लेने वाले धनाढ्यों का ही बोलबाला रहता है उन्हें मंचासीन कर सम्मानित किया जाता है जबकि मध्यम और निम्न वर्ग मूक दर्शकों की भूमिका में रह जाते हैं। ऊँची–ऊँची बोली लेने के पीछे स्वयं को सर्वश्रेष्ठ दिखाने का अभिमान, नाम तथा प्रसिद्ध की आकांक्षा ही रहती है और इस होड़ में आगे निकलने के नाम पर लोग 'येन केन प्रकरेण' अर्जित काले धन को सफेद कर लेते हैं। इस प्रकार के आयोजन क्या कहीं न कहीं देश में भ्रष्टाचार बढ़ाने में अपना योगदान नहीं दे रहे। हमारे साधु संतों और विद्वानों की चाहिये कि अनैतिक साधनों से अर्जित आय द्वारा लाखों करोड़ो की बोलियाँ लेने बालों को शुचिता का संदेश देते हुयें ईमानदारी से कमायें धन का यथोचित हिस्सा दान करने के लिये प्रोत्साहित करें। मंच पर ईमानदार छवि वाले लघुदानवीरों का सम्मान किया जायें तो समाज में सदाचार का संदेश प्रसारित होगा। दूसरी ओर सीमित धनार्जन से धन का दुरूपयोग भी रूकेगा साथ ही समाज में शांति और सद्भाव भी बढ़ेगा क्योंकि वर्तमान समय में जैन समाज में बढ़ते असंतोष और अशांति का एक बड़ा कारण धन की प्रचुरता है। हमारे मंदिरों और धार्मिक ट्रस्टों में धन संबंधी विवाद न केवल समाज में वैमनस्य बढ़ा रहे है, बल्कि समाज की बदनामी का कारण भी बन रहे है। समाज में धनाढ्यों और साधारण वर्गो के बीच खाई निरंतर बढ़ रही हैं। धनाढ्य में एक ओर धन का अभिमान बढ़ रहा है वहीं साधन विहीन लोग ईर्ष्या और द्वेष से कुंठित हो रहे हैं। सारांश यह कि सभी लोग पापकर्म का आश्रव कर रहे हैं अर्थात यह धन हमारे धर्म को मलिन कर रहा है। अतएव समय है कि हम अपने विवेक से भले बुरे की पहचान करें और स्वयं को अधर्म से बचायें।

– **अनुपमा जैन**, सहसंपादिका

दोस्त

चेहरा भूल जाओगे तो शिकायत नहीं करेंगे।
नाम भूल जाओगे तो गिला नहीं करेंगे।
और मेरे दोस्त दोस्ती कि कसम है तुझे।
जो दोस्ती भूल जाओगे तो कभी माफ नहीं करेंगे।
खुशी से दिल आबाद करना मेरे दोस्त।
और गम को दिल से आजाद करना।
हमारी बस इतनी गुजारिश है मेरे दोस्त।
कि दिल से एक बार याद हमें जरुर ही करना ।
जिन्दगी सुंदर है पर मुझे जीना नहीं आता।
हर चीज में नशा है पर मुझे पीना आता।
सब जी सकते है मेरे बिना दोस्त।
पर मुझे ही किसी के बिना जीना नहीं आता।
आज भीगी है मेरी पलके तेरी याद में।
आकाश भी सिमट गया है अपने आप में।
ओस की बूंदे ऐसे बिखरी पत्तो पर,
मानो चाँद भी रोया है मेरे दोस्त की याद में।
हो नहीं सकता मुझे आपकी याद न आये।
भूल के भी वो एहसास न आये।
आप भूले तो आप पे आच न आये मेरे दोस्त।
मैं भुला तो खुदा करे मुझे अगली सांस ही न आये।
छोटी सी बात पर शिकवा न करना।
कोई भूल हो जाए तो माफ करना।
नाराज़ जब होना, हम दोस्ती तोड़ देंगे।
क्योंकि ऐसा तब होगा जब हम दुनिया छोड़ देंगे।

****

मेरे दोस्तों के लिए समर्पित ये कविता, जीवन में हर चीज इंसान खरीद सकता है परन्तु सच्चा और अच्छा दोस्त तो सिर्फ नसीब वालों को बिना मूल्य ही मिलता है।

– संजय जैन, मुंबई

पाठको की कलम से ...

गोलालारीय दर्शन का विवाह विशेषांक बहुत उपयोगी और लाभप्रद था। मुखपृष्ठ लेख प्रशंसनीय रहा। समाज में वैवाहिक प्रक्रिया की विसंगति के कारण अविवाहित युवकों की संख्या बढ़ रही है। आपसे अनुरोध है कि एक विशेषांक बड़ी उम्र के अविवाहित युवक युवतियों के लिये भी प्रकाशित करें ताकि समाज में ही उन्हें उपयुक्त संबंध मिल सकें। – श्रीमती शोभा जैन, रतलाम

गोलालारीय दर्शन दिसम्बर 2013 के विवाह योग्य प्रत्याशी विशेषांक के लिए साधुवाद। इस प्रयत्न हेतु हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं। इससे समाज की एक ज्वलन्त समस्या का निदान हो सकेगा। गोलालारीय समाज का वार्षिक सम्मेलन शीघ्र इन्दौर में हो ऐसी तीव्र कामना है।

– ए.एल. फणीश, विदिशा।

''मंजिले तो मिल ही जायेगी, भटक के ही सही। गुमराह तो वो है जो घर से निकले ही नहीं।''

फलों का राजा – आम

अपने स्वाद से बच्चों से लेकर बड़ों तक को अपनी ओर आकर्षित करता है। आम का उपयोग अनेक तरीको से किया जाता है, जो हमें अक्सर ललचाता है। आम का फल, उसके पत्ते व गुठलियां भी काफी उपयोगी है। आईये आने वाली गर्मियों में हम इसका सेवन स्वास्थ्य लाभ के साथ करें – आम में अन्य तत्वों के अतिरिक्त विटामिन ए, बी और सी प्रचुर मात्रा में पाए जाते है। कच्चा फल त्रिदोषकारक है किंतु आग में भुना हुआ कच्चा फल दाह प्रशामक, रक्त पित्त हर होता है। पका फल वात पित्त शामक, स्नेहन अनुलोमन, कारक होता है। आम का बौर–शीतल, वातकारक, मलरोधक, अग्निदीपक, रुचिवर्द्धक तथा कफ, पित्त, प्रमेह और कफनाशक है। आम की जड़ कसैली, मलरोधक, रुचिकारक तथा वात पित्त और कफ को हरने वाली है। गुठली किंचित कसैली,वमन अतिसार और हृदय के आस–पास की पीड़ा को दूर करती है। आम की गुठली का तेल कसैला, स्वादिष्ट, रुखा, कड़वा तथा मुखरोग कफ व वात को दुरुस्त करता है।

औषधीय प्रयोग – * आम की गुठलियों के तेल को लगाने से सफेद बाल काले हो जाते हैं तथा काले बाल जल्दी सफेद नहीं होते है। बाल झड़ना व रुसी में भी इससे लाभ होता है। * पके हुए बढ़िया आम को आग या मूमल में दबाकर भून लें, ठंडा होने पर धीरे–धीरे चूसने से खांसी मिटती है। * गुठली की गिरी के 40–60 ग्राम क्वाथ में 10 ग्राम मिश्री मिलाकर पीने से तीव्र प्यास शांत होती है। * आम की ताजी छाल को दही के पानी के साथ पीसकर पेट के आसपास लेप करने से लाभ होता है। * ताजे मीठे आमों के 50 ग्राम ताजे स्वरस में 20–25 ग्राम मीठा दही तथा एक चम्मच शुंठी चूर्ण बुरक कर दिन में दो–तीन बार देने से कुछ ही दिन में पुरानी संग्रहणी अवश्य दूर होती है। * हैजे की शुरुआती अवस्था में 20 ग्राम आम के पत्तों को कुचल कर आधा किलो जल में क्वाथ करें, चतुर्थांश शेष रहने पर किंचित छानकर गर्म–गर्म पिलाने से लाभ होता है। आम का शर्बत या आम का पना भी लाभकर है। * आम के छाया में सुखाए हुए 11 ग्राम पत्तों को आधा किलो जल में औटाएं, चौथाई जल शेष रहने पर प्रात:–सायं पिलाने से कुछ ही दिनों में मधुमेह में आराम होता है। * आमकल्प काफी उपयोगी है। इसके लिए अच्छे पके हुए मीठे देशी आमों का ताजा रस 250 ग्राम से 350 ग्राम तक, गाय का धारोष्णा दूध 50 मि.ली. अदरक का रस (चाय का चम्मच भर), तीनों को कांसे की थाली में अच्छी तरह फेंट लें, लस्सी जैसा हो जाने पर धीरे धीरे पी लें। 2–3 सप्ताह सेवन करने से मस्तिष्क की दुर्बलता, सिर पीड़ा, सिर का भारी होना, आंखों के आगे अंधेरा हो जाना आदि दूर होता है। यह कल्प यकृत के लिए भी विशेष लाभदायक है। * आम के ताजे कोमल पत्ते 10 नग और काली मिर्च 2–3 नग, दोनों को जल में पीसकर गोलियां बना लें, किसी भी दवा से बंद न होने वाले, उल्टी दस्त इससे बंद हो जाते है। * आम के कोमल पत्तों का छाया में सुखाया हुआ चूर्ण 2–5 ग्राम की मात्रा में सेवन करना मधुमेह में उपयोगी है। * आम की गोंद को बिवाई पर लगाने से लाभ होता है। * आम की चाय भी लाभकर है । आम के 11 पत्ते, जो वृक्ष पर ही पककर पीले रंग के हो गए हों, लेकर 1 किलो पानी में 1–2 ग्राम इलायची डालकर उबालें, जब पानी आधा शेष रह जाए तो उतार कर शक्कर और दूध मिलाकर चाय की तरह पिया करें। यह चाय शरीर के समस्त अवयवों को शक्ति प्रदान करती है। * आम के पत्तों की भस्म, आग से झुलसना, खरोंच लगना आदि के लिए प्रख्यात औषधि है। * कच्चे आम की गुठली का चूर्ण 250 मिलीग्राम से 500 मिलीग्राम तक दही या जल के साथ सुबह शाम सेवन करने से सूत जैसे कृमि नष्ट हो जाते है। * आम की गुठली को जल के साथ पत्थर पर पीसकर लगाने से भंवरी, मधुमक्खी, बर्र, ततैया, बिच्छू आदि विषैले कीड़े मकोड़े के दंश से उत्पन्न जलन, वेदना, दाह तथा विष शांत होता है।

हानि – * आम के कच्चे फलों को अधिक खाने से मंदाग्नि, विषमज्वर, रक्त विकार, विबन्ध एवं नेत्र रोग उत्पन्न होते है। * आम के खाने के बाद पाचन संबंधी शिकायत हो तो 2–3 जामुन खा लें। जामुन में आम को पचाने की तीव्र शक्ति है। * जामुन उपलब्ध न होने की दशा में, चुटकी भर नमक और सौंठ पीसकर खा लें। * आम खाने के बाद जल नहीं पीना चाहिए। दूध पीना उपयुक्त है। * यकृत और जलोदर के रोगी को आम नहीं खाने चाहिए।

संकलन – अवनी–अंचल जैन, पूना

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से 8 मार्च – महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ...

शास्त्रों से... क्या आप जानते है ?

शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष कैसे होते हैं।

लवण समुद्र जम्बूद्वीप के चारों ओर वलयाकार है। 2 लाख महायोजन सीधा तलभाग में 10 हजार महायोजन चौड़ा है। इसकी गहराई दोनों छोर पर माखी के पंख के समान है। मध्य में एक हजार महायोजन गहरा है, इसके मध्य में चारों दिशाओं में एक एक पाताल गर्त में खड़े मृदंगाकार है। गोल मध्य भाग में एक लाख महायोजन और तली में और शिरोभाग में 10 हजार महायोजन व्यास है।

रत्नप्रभा पृथ्वी के पंक भाग में 10 हजार महायोजन गहरा है। चारों विदिशाओं में 125 पाताल गर्त है। सभी खड़े मृदंगाकार गोल है मध्य भाग एक हजार महायोजन है तल भाग में और शिरोभाग में 100 महायोजन व्यास का और एक योजन गहरा है। यह सभी पातालगर्त अपनी अपनी गहराई के नीचे तिहाई भाग में वायु से भरे हैं। ऊपर के तिहाई भाग में जल से भरे हैं और मध्य के तिहाई भाग में जल और पवन से मिश्रित भरे होते है। इसका जल समभूमि से 11 हजार महायोजन ऊँचा उठा रहता है। जो प्रत्येक मास की एकम (पढ़वा) शुक्ल पक्ष तिथी से पाताल गर्तो की पवन ऊपर की ओर उठने लगती है वह क्रम से बढ़कर पूर्णिमा को समभूमि से 16 हजार महायोजन ऊंचा हो जाता है । फिर क्रम से कृष्ण पक्ष की एकम पढ़वा से पातालगर्तों की पवन नीचे की ओर दबने लगती है और क्रम से घटकर अमावस्या को समभूमि से 11 हजार महायोजन ऊंचा पूर्ववत रह जाती है। इस प्रकार कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष होते है।

संकलन – शब्दार्णव से , श्रीमती किरण हीरालाल फणीश

टॉनिक के बजाय बच्चों के भोजन पर ध्यान दें

बच्चों की भूख बढ़ाने के लिये भी कई टॉनिक आते है। इनमें सिप्रोहेप्टिडीन नामक तत्व रहता है। कभी कभी यह देना डाक्टरों के नजरिये से आवश्यक होता है। किन्तु आमतौर पर यह माता पिता के इस दवाब के कारण डाक्टरों द्वारा लिखे जाते है कि बच्चें की भूख बढ़ाइए। माता पिता को सोचना चाहिए कि कोई भी टॉनिक जिंदगी भर तो पीये नहीं जा सकते इसीलिये जितने दिनों टॉनिक पिया जा रहा है। अगर उतने दिनों भूख बढ़ भी गई तो टॉनिक का प्रभाव खत्म होने के बाद वह फिर घट जायेगी इसलिये अपने बच्चों को उनकी रुचि के व्यंजन बनाकर खिलाइये।

स्नैक्स खाए मगर – 1) स्नैक्स प्रोटीन युक्त होना चाहिए, इसमें वसा, शुगर, कार्बोहाइड्रेट की कम मात्रा होनी चाहिये। 2) पेट भर स्नैक्स न ले। स्नैक्स हल्के फुल्के भोजन के रुप में ही ले। 3) स्नैक्स की मात्रा कम रखे। केला, सेब, संतरा या किसी अन्य मौसमी फल खाए इससे कैलोरीज का भी संतुलन बना रह सकता है। 4) फल और सब्जियां अधिक खाए ताकि वजन ज्यादा न बढ़े। 5) खाने का विकल्प स्नैक्स को न बनाए। सिर्फ 2 बार ही स्नैक्स ले।

– रेशु निशांत जैन, इन्दौर

NAGENDRA JAIN
Authorised Partner for
MALWA COVERAGE
TV Channel
पारस
अहिंसा का जयघोष
MONTAGE
NATURAL IMAGE
MONTAGE
AUDIO VIDEO STUDIO
209, Ashram Complex 56 Shops, Indore
Mo. : 94250-74782
Email : nagendra_jain29@yahoo.com
विवाह एवं मांगलिक कार्यों के लिए संपर्क करे –
• Photo Graphy & Video Graphy
• Non Linear Editing with HD
• Full - HD Solution in Video Graphy
• Cinomatic Solution
Video Shootings & Photography
Commercial, Wedding, Event etc.
Conversion :
V. Cassette, (VHS, Mini DV) to CD, DVD & Blu-Ray
Non Linear Editing with HD
Documentary, Mini films, Marriage & Personal Party
Audio
Audio Editing, Mixing, Voice Record.

पेज क्रं. 1 का शेष – दो दशकों के अंतराल....

तीनों वरिष्ठ न्यायविदों की सर्वसम्मत 'लीगल ओपिनियन' थी कि (1) 1927 से विभिन्न जजमेंटों एवं सुप्रीम कोर्ट के बाल विद्या मंदिर जजमेंट एवं संविधान के पार्ट ।।। के अनुसार जैन समुदाय धार्मिक अल्पसंख्यक है; (2) टी.एम.ए.पाई जजमेंट केवल इतना निर्धारित करता है कि किसी भी समुदाय की अल्पसंख्यक मान्यता के लिए 'राज्य' इकाई है, चूँकि जैन समुदाय सभी राज्यों में अल्पसंख्यक है अत: कोई कानूनी अड़चन का सवाल नहीं है, (3) केन्द्रीय सरकार के नेशनल कमीशन फॉर माइनोरिटीज एक्ट 1992 की धारा 2 (सी) के अंतर्गत किसी समुदाय की अल्पसंख्यक अधिसूचना के अधिकार को बाल पाटिल जजमेंट में अविवादास्पद रुप में माना है अत: कोई कानूनी बाधा नहीं है; एवं (4) केन्द्र सरकार को ससंद में बिल लाने की जरुरत नहीं है क्योंकि नेशनल कमीशन फॉर माइनोरिटीज एक्ट 1992 की धारा 2 (सी) केन्द्र सरकार को किसी समुदाय को अल्पसंख्यक मानकर गजट नोटिफिकेशन करने का पूर्ण अधिकार देती है।''

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन संस्थाएँ – समन्वय समिति ने इन 'लीगल ओपिनियनस्' के परिपेक्ष्य में सत्ता के हर गलियारे में आवाज पहुँचाई कि कानूनी अड़चन मात्र एक भ्रम है और केन्द्र सरकार जैन समुदाय के साथ जल्दी से जल्दी न्याय करे। **केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री प्रदीप जैन 'आदित्य'** तो मंत्री बनने के बाद से ही निरंतर प्रयासरत थे।

28 जुलाई 2013 को पुणे में दक्षिण भारत जैन सभा एवं पुणे जैन माइनोरिटीज फोरम द्वारा सासंद कल्लप्पण्णा अवाड़े की अध्यक्षता में आयोजित 'राष्ट्रीय अल्पसंख्यक हक्क संगोष्ठी' में केन्द्रीय ग्रामीण राज्य मंत्री श्री प्रदीप जैन 'आदित्य' का कथन 'कि सरकार फाइलों की नोटिंग्स् पर चलती है अत: समय खींच रहा है, पर अपना मंत्री कार्यकाल पूरा करने से पहले जैन समुदाय को राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक मान्यता प्रदान करवाने का वचन देता हूँ'' चरितार्थ करा।

समग्र जैन समाज को इन दो दशकों में जैन बच्चों को केन्द्रीय सरकार की भारी भरकम प्रधानमंत्री अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजना एवं अल्पसाधना जैन समुदाय को 'अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय कार्यक्रम' जिसमें अल्पसंख्यकों के लिए छात्रवृत्ति के साथ राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम द्वारा स्वरोजगार, उच्च शिक्षाके लिए नाममात्र की ब्याज दर पर ऋण, निशुल्क तकनीकी शिक्षा तथा कोचिंग सुविधाएं, ग्रामीण आवास योजना में सहायता, राज्य व केन्द्रीय सेवाओं में भर्ती से वंचित रखने; राज्य सरकारों की अल्पसंख्यक वर्गो के लिए कल्याणकारी, छात्रवृत्ति और आर्थिक मदद योजनाओं का लाभ न मिलने और तीर्थ उपासना स्थलों गिरनार, केशरियाजी, खण्डगिरी–उदयगिरी आदि पर अतिक्रमण में अल्पसंख्यक सुरक्षा न मिलने के नुकसान का जायजा लेकर, पिछली भूलों की पुनरावृत्ति न हो का पुख्ता इन्तजाम करके, जैन समुदाय को समाज का भविष्य सुरक्षित बनाने को दृढ़ प्रतिज्ञ होना चाहिये। यही समय की माँग है, नहीं तो हम काफी पिछड़ गये है और पिछड़ जायेंगे।

जैन समुदाय को अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त होने से लाभ – ❊ जैन धर्म की सुरक्षा होगी। ❊ जैन धर्म की नैतिक शिक्षा पढ़ाई कराने का जैन स्कूलो को अधिकार। ❊ जैन कॉलेजों में जैन बच्चों के लिए 50% आरक्षित सीटें होगी। ❊ कम ब्याज पर लोन, व्यवसाय व तकनीकी शिक्षा हेतु उपलब्ध होंगे। ❊ संविधान के अनुच्छेद 25 से 30 के अनुसार जैन समुदाय धर्म, भाषा, संस्कृति की रक्षा संविधान के उपबंधो के अंतर्गत हो सकेगी। ❊ जैन धर्मावलम्बियों के धार्मिक स्थल, संस्थाओं, मंदिरो, तीर्थक्षेत्रों एवं ट्रस्टों का सरकारीकरण या अधिग्रहण आदि नहीं किया जा सकेगा अपितु धार्मिक स्थलों का समुचित विकास एवं सुरक्षा के व्यापक प्रबंध शासन द्वारा भी किए जायेंगे। ❊ उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम 1919 (42 ऑफ 18.9.1991) के तहत किसी धार्मिक उपासना स्थल के स्वरुप को बनाए रखने हेतु स्पष्ट निर्देश जिसका उल्लंघन धारा 6 (3) के आधीन दंडनीय अपराध है। ❊ पुरातन स्थलों एवं पुरातन धरोहरों को सुरक्षित रखना सन् 1958 के अधिनियम की धारा 19 एवं 20 के तहत संविधान द्वारा सुरक्षित है। ❊ समुदाय द्वारा संचालित ट्रस्टों की सम्पत्ति को किराया नियंत्रण अधिनियम से भी मुक्त रखा जायेगा, जिससे किरायेदार से संपत्ति को आसानी से खाली करवाया जा सकता है। ❊ जैन धर्मावलम्बी अपनी प्राचीन संस्कृति, पुरातत्व एवं धर्मायतनों का संरक्षण कर सकेंगे। ❊ जो प्रतिभावान अल्पसंख्यक विद्यार्थी जिले के उत्कृष्ट विद्यालयों में प्रवेश पाते हैं तो उनमे गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले विद्यार्थियों को 9वी, 10वी, 12वीं का शिक्षण शुल्क एवं अन्य लिये जाना वाला शुल्क पूर्णत: माफ कर दिया जायेगा। ❊ जैन मंदिरों, तीर्थस्थलों, शैक्षणिक संस्थाओं इत्यादि के प्रबंध की जिम्मेदारी समुदाय के हाथ में ही रहेगी। ❊ शैक्षणिक एवं अन्य संस्थाओं को स्थापित करने और उनके संचालन में सरकारी हस्तक्षेप कम हो जायेगा। ❊ विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित कोचिंग कॉलेजों में समुदाय के विद्यार्थियों को फीस कम या माफ होने की पात्रता होगी। ❊ सरकार द्वारा जैन समुदाय को स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, शोध या प्रशिक्षण संस्थान खोलने हेतु सभी सुविधायें एवं रियायती दर पर जमीन उपलब्ध करवायी जायेगी। ❊ जैन समुदाय के विद्यार्थियों को प्रशासनिक सेवाओं और व्यवसायिक पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण हेतु अनुदान मिल सकेगा। ❊ जैन समुदाय द्वारा संचालित जिन संस्थाओं पर कानून की आड़ में बहुसंख्यकों ने कब्जा जमा रखा है, उनसे मुक्ति मिलेगी। ❊ जैन धर्मावलम्बी को बहुसंख्यक समुदाय के द्वारा प्रताडित किये जाने की स्थिति में सरकार जैन धर्मावलम्बी की रक्षा करेगी। ❊ जैन धर्मावलम्बी द्वारा पुण्यार्थ, प्राणी–सेवार्थ, शिक्षा इत्यादि हेतु दान–धन कर से मुक्त होगा। ❊ अल्प संख्यक समुदाय के धार्मिक स्थलों के समुचित विकास एवं सुरक्षा के व्यापक प्रबंध शासन द्वारा किए जायेंगे। ❊ अल्पसंख्यक वर्ग युवाओं में खेलकूद व अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रोत्साहन हेतु अनुदान एवं छात्रवृत्तियों में विशेष प्रावधानों का लाभ मिल सकेगा, ताकि गरीबी रेखा से नीचे आने वाले या आर्थिक स्थिति से कमजोर वर्ग का शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास हो सके। ❊ अल्पसंख्यक समुदाय के लिए कराए गए आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक स्थिति के सर्वेक्षण के आधार पर रोजगार मूलक योजनाओं का लाभ मिलेगा। **साभार – डॉ. बिमलचंद जैन**

शब्द जाल प्रतियोगिता – 3

संकेत – बायें से दायें

1) इन्हें झांसी की रानी भी कहा जाता है।
3) महान कवि जिन्हें गुरुदेव के नाम से जाना जाता है।
4) एक महान उपन्यासकार मुंशी...
6) दीन दुखियों की सेवा करने वाली करुणामयी माँ
8) क्रिकेट के भगवान जिन्हें भारत रत्न मिला है।

ऊपर से नीचे –

1) ये भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे
2) युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी
5) एक जैन सती जिसने बेड़ियों में भगवान महावीर को आहार दिया था।
6) ये हमारे राष्ट्रपिता कहलाते हैं।
7) एक प्रख्यात टेनिस महिला खिलाड़ी का नाम

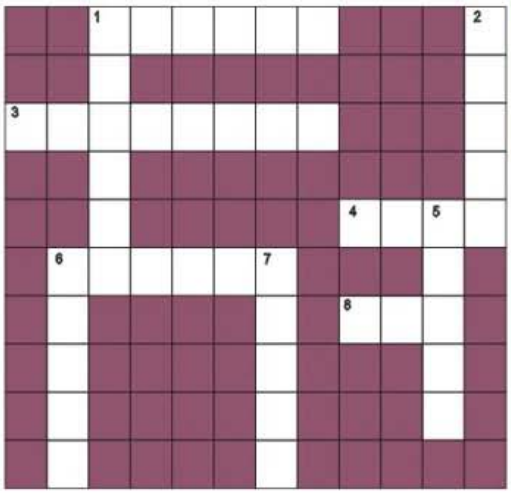

प्रस्तुत वर्ग पहेली में हमारे देश के कुछ महान व्यक्तित्वों के नाम उनके लिये दिये गये संकेतों के द्वारा आपको ढूँढ़कर लिखना है और निम्नलिखित पते पर भेजें – **'गोलालारीय दर्शन'** 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर । प्राप्त सही प्रविष्टियों का ड्रा निकालकर प्रथम 5 विजेताओं को पुरस्कृत किया जावेगा, आगामी अंक में उनके फोटो भी प्रकाशित किये जायेंगे।

नियम – प्रतियोगिता 8 वर्ष से 13 वर्ष तक के बच्चों के लिए ही है। प्रविष्टि भेजने की **अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2014** सही जवाब के साथ वर्ष 2013 की अंकसूची की फोटोकॉपी (जिसमें जन्म दिनांक अंकित हो) पर अभिभावक का नाम, टेलीफोन नंबर एवं प्रत्याशी का नवीन फोटो अवश्य भेजें। संपादक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

शब्दजाल प्रतियोगिता – 02 का सही हल भेजने वाले विजेताओं के नाम

कु. अवनि जैन, पन्ना।

कु. अनीषा जैन लश्कर

मा. आदित्य जैन भोपाल

कु. अनमोल जैन तालबेहट

मा. प्रासुक जैन इन्दौर

प्रतियोगिता क्रमांक 1 एवं 2 के पुरस्कार भेजे जा चुके है पुरस्कार प्राप्त न होने की सूचना पर 9424013136 पर अवश्य देवें।

शब्द जाल प्रतियोगिता क्रमांक 1 में निम्न प्रतियोगियों ने सही उत्तर भेजे थे – 1) कु. अनमोल जैन तालबेहट 2) कु. अनु जैन, झांसी 3) राहुल जैन, विदिशा 4) सुब्रत जैन, झांसी

शब्द जाल प्रतियोगिता क्रमांक 2 में निम्न प्रतियोगियों ने सही उत्तर भेजे है – 1) कु. अनुष्का जैन, खरगोन 2) ओजस जैन, इन्दौर 3) यशश जैन, लश्कर 4) रीथ जैन, इन्दौर

श्री सुखनन्दन जैन नन्नाजी की स्मृति में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न...

प्रकाशचंद जैन, बबीना। नगर के प्रतिष्ठित प्रकाशचन्द जैन एवं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल, उत्तर प्रदेश उद्योग युवा व्यापार प्रतिनिधि मण्डल ने नगर के वरिष्ठ नागरिक श्री सुखनन्दन जैन की पुण्य तिथि के अवसर पर वृहद स्वास्थ्य सेवाओं का आयोजन किया गया। शिविर में असाध्य रोगों से ग्रस्त लोगों को परामर्श, निदान तथा परीक्षण कर नि:शुल्क औषधि वितरण कर उनके सुखी और निरोगी रहने की कामना की। शिविर में उपस्थित शल्य चिकित्सकों एलोपैथिक, आर्युवेदिक तथा होम्योपैथिक विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सुबह से लेकर सायं 4 बजे तक धैर्य पूर्वक रोगियों की व्यथा को सुना।

स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ कु. वीरेन्द्र सिंह के द्वारा किया उन्होंने नन्नाजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया और कहा यह आलोकित दीप हमें नन्नाजी द्वारा दिखायें परोपकार और भक्ति के मार्ग पर चलने को प्रेरित करता रहेगा। सायंकाल समापन बेला में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विजय खैरा, प्रवक्ता उ.प्र. कॉंग्रेस कमेटी तथा अध्यक्ष दाऊ तेज सिंह जूदेव पधारे । सभी अतिथियों ने नन्नाजी के चित्र के समक्ष श्रृद्धांजलि समर्पित की। विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र सिंह यादव ने कहा प्रकाशजी ने अपने पिता की पुण्य तिथि पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करके अत्यधिक पुनीत कार्य किया है। परहित समर्पण की अनूठी परम्परा प्रारम्भ करके एक सुयोग्य पुत्र ने अपने स्वनामधन्य पिता को सच्ची श्रृद्धांजलि दी है। अध्यक्षीय भाषण के उपरान्त 'नमन' सुखनन्दन कार्यक्रम हुआ इसमें सबसे पहले नन्नाजी की पुत्रवधुओं, बेटियों, पौत्र एवं पौत्रियों ने श्रृद्धा सुमन अर्पित किये।

मुख्य अतिथि डॉ. विजय खैरा ने अपने उद्बोधन में कहा नन्नाजी का देह त्यागना एक आलौकिक घटना थी। यह दुर्लभ संयोग महान भक्त को ही प्राप्त होता है। मन्दिर जी में भगवान बाहुबली की प्रतिमा के आगे जाप करने के उपरान्त जैसे ही प्रभु प्रतिमा समक्ष वंदना के लिये ऐसे झुके कि 'वंदना करते रहेगें जब तलक दम में दम' मूक शब्दों में कहते हुये सदगति प्राप्त कर गये। चिकित्सा शिविर का आयोजन करके प्रकाशजी ने स्तुत्य कार्य किया है इस सद्कार्य की प्रशंसा करने के लिये मेरे पास शब्द नहीं है। मुख्य वक्ता जैन पंचायत अध्यक्ष सिंघई महेन्द्र जैन ने कहा कि जैन समाज की महान विभूति भक्त शिरोमणि सुखनन्दनजी जैन मन्दिर श्री को जाते थे तो उनके भजनों में मानों एक आवाहन होता था कि चलो भक्तो मन्दिर, तुम्हें भगवान जी बुलाते है मैं तो इस बात का साक्षी हूँ कि कैसे यह दिव्य आत्मा परमात्मा के चरणों में विलीन हो गयी। मन्दिर जी में विराजमान मुनि श्री विश्वकीर्तिको जब यह घटना ज्ञात हुई तो उनके मुख से निकला 'जन्म जन्म मुनि जतन कराहि, अंत रामकह आवत नाही' नन्नाजी की दिव्य जीवन यात्रा, धर्म परायणता तथा सरल जीवन को वर्णित करने के लिये मेरे पास शब्द नहीं है। प्रकाश चन्द्र ने कहा यह स्वास्थ्य शिविर नन्नाजी के चरणों में समर्पित श्राद्ध पुष्प है। विराजमान विभूतियों ने मुझे जो संबल प्रदान किया है और आकर मेरा जो मान बढ़ाया है इसके लिये मै सबका आभारी हूँ। नन्नाजी का आर्शीवाद और आप लोगों का स्नेह मुझे ऐसे कार्य करने को प्रेरित करता रहेगा कहते कहते प्रकाशजी की आवाज भर्रा गयी और सभा का वातावरण बोझिल हो गया। तत्पश्चात समस्त चिकित्सकों को शाल, श्रीफल एवं प्रमाणपत्र भेंट किये गये । अतिथियों को स्मृति चिहन प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन हरीमोहन पुरोहित ने इन पंक्तियों के साथ नन्नाजी को श्रद्धांजली समर्पित करते हुए दिया – ''दुनिया उठाने आये मगर हम नही उठे, सजदा भी हो तो ऐसा सब सिजदा कहें जिसे ।।''

भाव भीनी विनम्र श्रद्धांजलि

विशाल जैन, पवा। तालबेहट (ललितपुर) सिद्धक्षेत्र पावागिरीजी में ज्ञानचंद्र 'पुरा' की अध्यक्षता में आयोजित प्रबंध समिति की शोक सभा में क्षेत्र के संरक्षक श्री कैलाशचंद्र जैन 'विश्व परिवार' झांसी की चाची एवं सुराज कुमार शिखरचंद्र जैन जल संस्थान झांसी की पूज्यनीय माताजी श्रीमती कस्तूरीदेवी, ललितपुर निवासी महेन्द्रकुमार जैन चूना वालों के भाई कैलाशचंद्र जैन की धर्मपत्नी श्रीमती ऊषादेवी, क्षेत्र के पूर्व उपाध्यक्ष एवं कर्मठ और जुझारु सदस्य चम्पालाल जैन वर्धुआं, ललितपुर निवासी समाजसेवी सनत कुमार जैन नौहरकलां वालों की पूज्यनीय मातेश्वरी श्रीमती कलावतीदेवी, गंजबासौदा निवासी मनीषकुमार आशीष जैन के पूज्य पिताजी धर्मश्रेष्ठी नरेशकुमार जैन एवं पूरा विरधा निवासी राकेश कुमार जैन शिक्षामित्र के पूज्य पिताजी प्रकाशचंद जैन के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। इस अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजली देते हुए वक्ताओं ने दिवगंत आत्माओं की सेवा, सादगी, समर्पण और धार्मिक प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला एवं दो मिनिट का मौन धारण कर आत्मा की शांति एवं उनके परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए पारसनाथ स्वामी से कामना की। श्रद्धांजलि देने वालों में राजेन्द्रकुमार टूंका बबीना, उत्तमचंद्र, शिखरचंद्र कड़ेसरा, प्रेमचंद्र नयाखेड़ा, राजकुमार पवा, जयकुमार कंधारी, सिंघई सुमत कुमार, रवि जैन, विनोद कुमार, आनंद जैन, प्रवीन कड़ेसरा, पुष्पेन्द्र विरधा, राकेश मोदी, विकास भंडारी, मनीष जैन, संदीप जैन, अखलेश जैन, विशाल जैन आदि प्रमुख रहे।

विद्यार्थियों से अनुरोध

वर्तमान समय परीक्षाओं का है, आप मन लगाकर अध्ययन करे और अच्छे अंको से उत्तीर्ण होकर अपना व अपने परिवार का नाम रोशन करें। **'गोलालारीय दर्शन'** के आगामी अंक **प्रतिभाशाली विशेषांक** में अपनी अंकसूची फोटो के साथ प्रेषित करे ताकि हम गौरवांवित हो आपको सम्मानित कर सकें।

अटूट भ्रातृत्व प्रेम के धनी, हमारे प्रेरणा स्रोत जिनका संयमित सत्यनिष्ठ, समन्वयवादी,
देवशास्त्र गुरु के प्रति समर्पित जीवन सदैव एक दीप स्तंभ की तरह हमको
अलौकिक संबल प्रदान करता रहेगा, जिससे हम सभी सदैव आपके पद चिन्हों पर चलते रहे।
दिव्य ज्योति में विलीन हुई आत्माओं को भाव भीनी श्रद्धांजलि....

स्व. श्री गुलाबचंद जैन
जन्म दिनांक : 28.03.1928
पुण्यतिथि : 28.03.2012

स्व. श्री रतनचन्द जैन
जन्म वर्ष : 1926
पुण्यतिथि : 23.06.2013

॥ श्रद्धानवत ॥
राजेन्द्र कुमार जैन, शिशुपाल जैन
राजकुमार जैन खुरई
श्रीमती राजकुमारी आनंद कुमार, श्रीमती कल्पना पवन कुमार, श्रीमती साधना दिनेश कुमार जैन
एवं समस्त वैद्य परिवार खुरई जिला सागर (म.प्र.)

शिखरजी ड्रीम्ज़ परिसर में 1008 श्री पार्श्वनाथ जिनालय मंदिरजी का शिलान्यास कार्यक्रम

There is no telling what Thinking Big can do
Indore is Thinking Big...Really Big with us

We Promise the
Best homes for your

SHIKHARJI
Dreamz
Think Big, Get Big

GREAT TIME

BIG SPACE

GOOD ENERGY

Pay Only 20% Booking Amount

Rest 80% Before Possession

Premium Villas & Apartments

Developers :
Samarth Devcon Pvt. Ltd.
SITE ADDRESS : Arandiya, Near Talawali Chanda,
Indore (MP) e-mail : shikharjidreamz@yahoo.in

Project approved by :
ALL MAJOR BANKS &
FINANCE COMPANIES.

Member
CREDAI
Confederation of Real Estate Developers' Associations of India

Avail all these amenities without any extra charges :
MPEB | Club Membership | 3 Years Maintenance | Sinking Fund | Parking

Call : 0731-4715111, 88899-25000

*Conditions Apply.

Diversion Order No. प्रकरण क्रमांक/390/ज-2/11-12/दिनांक 25/06/2012 Builder Licence No. रजिस्ट्रीकरण क्रमांक/25/2012 दिनांक 26/03/2012
T&CP क्रमांक/1838/एस पी.-538/11/नग्रानि/11/दिनांक 07/04/2012 Colony Development Permission क्रमांक/42/2012 दिनांक 26/06/2012

का भूमि पूजन 17 अप्रैल 2014 एवं 18 अप्रैल 2014 को
में आप सभी सादर आमंत्रित है।

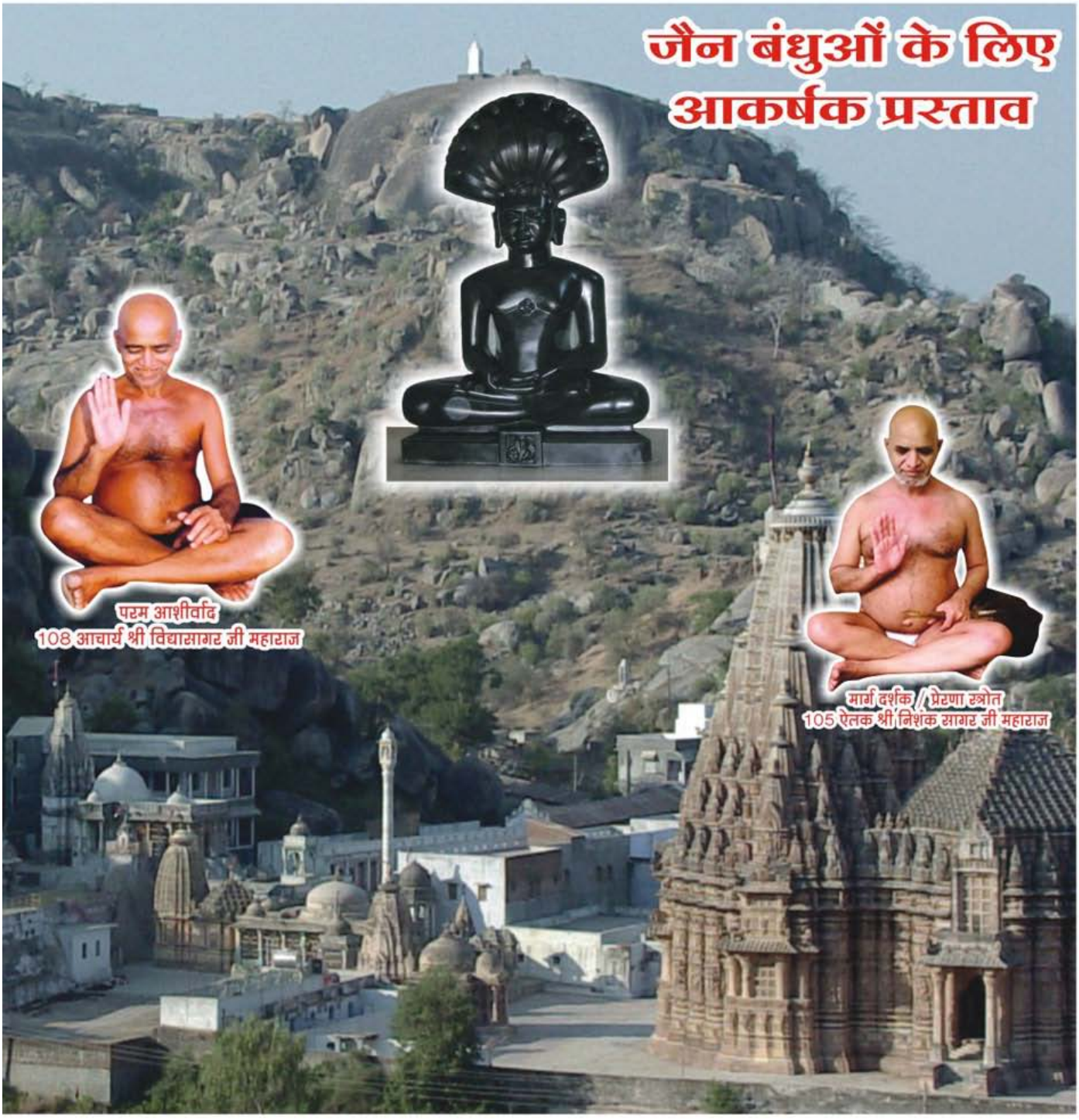

अधिक जानकारी एवं बुकिंग के लिए संपर्क करे -

निशांत जैन 'सायकलवाले', 94250-58636

मुक्तागिरी में झरता सोना

भारत भू की हृदय धरा यह, पुरातत्व की खान है,
कण–कण में बिखरा जिन वैभव, मेरे कोटि प्रणाम है।
गोपाचल पर पार्श्वनाथ, उन्नत ललाट की शोभा है।
मणिमुक्ता से कंठ सुशोभित, सोनागिरी की महिमा है।
चंदेरी, थूवौन, पपौरा, मन में शांति दिलाते हैं,
श्री अहारजी, बजरंगगढ़ में, शांति प्रभु मुस्काते हैं,
बुंदेली भू धर्म धरा, देती नवजीवन, प्राण हैं।
कण–कण में बिखरा जिन वैभव, मेरे कोटि प्रणाम हैं।
द्रोणगिरी व नैनागिरि जी, वक्ष स्थल की शान है,
कुण्डलपुर, मड़िया, ग्यारसपुर, हृदय बसे जिन प्राण है,
बोहरीबंद, पनागर मिलकर, यश समृद्धि बढ़ाते हैं,
बड़वानी के आदिजिनेश्वर, विश्व पूज्य बन जाते है।
जो पाते हैं प्रभु चरण रज, मिले शांति सम्मान है।
कण–कण में बिखरा जिन वैभव, मेरे कोटि प्रणाम हैं।
मुक्तागिरी में झरता सोना, शीतल मन हो जाता है,
सिद्धवरकूट के दर्शन से, मन सिद्ध शिला हो जाता है,
सृजन भक्तामर धार, भोजपुर, मांगतुंग आचार्य किया,
वीर प्रभु की तपोधरा का, उज्जयनी को मान लिया।
विश्व वंद्य श्री पार्श्व जिनेश्वर, मक्सीजी के प्राण हैं।
कण–कण में बिखरा जिन वैभव, मेरे कोटि प्रणाम हैं।
खजुराहों के शांतिनाथ प्रभु, मन में शांति प्रदाता है,
खंदारगिरी के पूज्य जिनेश्वर, आज भी मुक्तिदाता है।
सिद्धोदय, नेमावर में प्रभु, श्रद्धा भक्ति के रुप हैं।
पुष्पगिरि, गोम्मटगिरी, वर्तमान के धर्म प्रतीक हैं।
बीनवारा,सागर, रहली, भाग्योदय भी नाम हैं।
कण–कण में बिखरा जिन वैभव, मेरे कोटि प्रणाम हैं।
आज सुशोभित युग वैभव से, क्षमा, सुधा, ज्ञान सागर से,
पुष्पदंत प्रसन्न गुरुजी, गुप्ति व तरुण सागर से
विराग, अभय सागर, समता, अरु पंचशतक भी नाम हैं।
कण–कण में बिखरा जिन वैभव, मेरे कोटि प्रणाम हैं।

– इंजी. अरुण कुमार जैन
उज्जैन (म.प्र.)

इस युग का श्रवण कुमार

शिक्षित व सभ्य समाज में परिवार का आकार छोटे से छोटा होता जा रहा है। एक समय था जब परिवार में 8–10 सदस्यों का होना सामान्य बात हुआ करती थी। परिवार का सपूत ही माँ बाप का पेंशन प्लान हुआ करता था। लेकिन अब....? ''हम दो हमारे दो'' के परिवार में कई ऐसे परिवार भी है जहाँ दो लाड़ली लक्ष्मी है और जहाँ बेटे हैं तो जरुरी नहीं कि श्रवण कुमार ही हो। इस कलयुग में श्रवणकुमार की कमी है। इसलिये अपने बुढ़ापे की लाठी को आज से ही मजबूत कीजिये। बुढ़ापे का सहारा ''पेंशन''।

सरल शब्दों में **पेंशन से आशय** बुढ़ापे की गुजर बसर (खर्चो) के लिए आय का साधन या उस समय के लिये फंड तैयार करना जब आप काम नहीं कर सकते व आराम चाहते है।

रिटायरमेंट लाइफ अच्छे से गुजारने के लिये एक अच्छे पेंशन प्लान का चुनाव करना बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। वैसे तो बीमा कंपनियों में कई तरह के पेंशन प्लान है। पर एक प्लान ऐसा भी है जिसके लिये आपको न तो कोई एस.एम.एस. आयेगा न ही कोई कॉल आयेगी और न ही कोई एजेन्ट आयेगा। जी हाँ यह स्कीम है न्यू पेंशन स्कीम।

न्यू पेंशन स्कीम

न्यू पेंशन स्कीम को न्यू पेंशन सिस्टम के नाम से भी जाना जाता है। यह एक सरकारी स्वेच्छिक पेंशन स्कीम है। जो शुरु में शासकीय कर्मचारियों के लिए चालू की गई थी। वर्तमान में सभी के लिये उपलब्ध है। एन.पी.एस को संक्षेप में सरल तरीके से समझाने का प्रयास किया गया है।

* **उम्र** – 18 से 55 वर्ष के भारतीय व एनआरआई इस योजना में अंशदान कर सकते है व 61 वे वर्ष से पेंशन प्राप्त कर सकते है।

* **न्यूनतम अंशदान** –500 रु. प्रतिमाह या 1500 रु. त्रैमासिक अंशदान इलेक्ट्रानिक क्लीयरिंग सर्विस (ई.सी.एस) द्वारा कर सकते है।

* परमानेंट रिटायरमेंट एकाउंट दो तरह के खोले जाते है। प्रथम श्रेणी खाता में बीच के आहरण नहीं कर सकते। द्वितीय श्रेणी खाता में आहरण करने की सुविधा है।

* एक्टिव च्वाइस अर्थात् फंड विकल्प चुनने की स्वतंत्रता

फंड 'सी' – निश्चित आय संसाधनों में निवेश जैसे बांड, सी.पी. सी.डी.। **फंड 'ई'** – शेअर बाजार में अनुसंधान पूर्वक निवेश। **फंड 'जी'** – लंबी अवधि की सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश।

* **आटो च्वाइस** – इसमें उक्त तीनों फंड विकल्प फंड सी, फंड ई व फंड जी का उम्र अनुसार संतुलित मिश्रण होता है।

* **आपके हितों की रक्षा कैसे** – भविष्य निधि नियमक व विकास प्राधिकरण एक अधिकार प्राप्त सरकारी संस्था है। जो नियमन द्वारा अंशदाताओं के हितों की रक्षा करता है।

* **एनपीएस खाता कहाँ खोले** – परमानेंट रिटायरमेंट एकाउंट (पी.आर.ए) 1000/– रु. से जनरल पोस्ट आफिस (जी.पी.ओ), भारतीय स्टेट बैंक (एस.बी.आई) की चुनिंदा शाखाऐं व कम्प्यूटर एसेट मेनेजमेंट सर्विस (सी.ए.एम.एस) में खोला जा सकता है।

* बीमा कंपनी की पेंशन योजना, रिलायंस व यूटीआई म्युचुअल फंड भी एन.पी.एस खाता खोल रहे है, जो ज्यादा खर्चीली है। इनका सालाना संपत्ति प्रबंधन खर्च 3–4% होता है। जबकि एन.पी.एस का सालाना संपत्ति प्रबंधन खर्च मात्र 0.50% ही है। व सर्विस चार्ज के रुप में 23 रु. प्रति ट्राजेक्शन के लगते है।

* **अंशदान पर रिटर्न** – फंड सी व फंड जी स्थिर आय देने मे सक्षम है जो 8–9% रिटर्न देते है। फंड 'ई' लंबे समय में 12% या अधिक रिटर्न दे सकता है। जो काफी अच्छा रिटर्न होगा। आटो च्वाइस जो एक संतुलित फंड है 10–11% का संभावित रिटर्न देता है।

अंत में मैं यह कहना चाहूँगा कि पेंशन प्लान आपका बेटा तो नहीं है पर बेटे (कमाऊपूत) से कम भी नहीं है। चाहे व पी.पी.एफ, जी.पी.एफ, ई.पी.एफ हो या नियमित आय देने वाली एम.आई.एस, एम.आई.पी, एफ.डी हो या प्रापर्टी (मकान, दुकान, कृषिभूमि) ही क्यों न हो। इस युग के श्रवण कुमार से कम नहीं।

राजेश कुमार जैन, सुंदर नगर मेन, सुखिलया इन्दौर

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य अंतिम चरण में...

कोमलचंद जैन, इन्दौर। समाज का एकमात्र सांस्कृतिक भवन एवं शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य प्रगति पर है। लगभग 30 वर्ष पूर्व निर्मित्त इस भवन को भव्यता और मजबूती प्रदान करने के लिए जीर्णोद्धार का कार्य कराया जा रहा है। समाजजनों से सादर अनुरोध है कि वे खुले हृदय से हमारे बुजुर्गो के स्वाभिमान एवं उनके द्वारा एक एक पाई जोड़कर निर्मित मंदिर व भवन को भव्यता प्रदान करने के लिए सहयोग प्रदान करे व अपने परिजनों की स्मृति में मंदिर निर्माण के किसी भी कार्य में सहयोग प्रदान कर परिजनों की स्मृति को चिरस्थायी बनायें।

* सफलता के सूत्र *

* जो भी करो दिल से करो। * एक चुप सौ विवादों को टालता है। * मौन सर्वोत्तम नीति है। * आप जितना कम बोलेंगे, उतना अधिक सुने जावेंगे। * उपवास शारीरिक भार से बचाता है, मौन मानसिक भार से बचाता है। * मौन रहो या वो बात कहो जो मौन से श्रेष्ठ हो। * जब आपका काम बोल रहा हो, तब आप न बोलें। * कहो ऐसा जो किसी ने न सुना हो। * मछली मुँह न खोले तो काँटे में फंसने से बच सकती है। * जब बहस करना बेकार लगे तो चुप रहना अच्छा है। * जो महत्वहीन हो उसे छोड़ दें, भले ही वह रिश्तेदारी हो या जिम्मेदारी। * फैसला करने से पहले फासले मिटा लें। * लोग इसलिए अकेले है क्योंकि वे पुलों की बजाए दीवारें बना लेते है। * काश मैंने बीते हुए पलों में कल की सोची होती। * वह गरीब व्यक्ति नहीं है जिसके पास थोडा बहुत ही है। गरीब तो वह है, जो ज्यादा के लिए सोच रहा है। * हर इंसान, जिससे मैं मिलता हूँ, किसी न किसी बात में मुझसे बढ़कर है। वही, मैं उससे सीखता हूँ।

संकलन – राजेन्द्र कुमार जैन 'सायकलवाले'

परम संरक्षक – श्री सुभाषचंद–बसंतमालती जैन, मुंबई

पं. परमानंद–हीराबाई बुढ़वारवाले के सुपुत्र श्री सुभाषचंद जैन ने बी.कॉम पश्चात सी.ए. की शिक्षा मुंबई में की तत्पश्चात् सन् 1969 से 2008 डी.सी.डब्ल्यू लि., मुंबई में सी.ए. पद पर अपनी सेवाएँ प्रदान की। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती बसंतमालती जैन 'सुपुत्री – श्री मुन्नालाल–शांतिबाई जैन, चक्कीवाले, विदिशा' सरल स्वाभावी एवं धार्मिक गतिविधियों में रुचि रखती है।

विशेष सहयोग के लिए गोलालारीय दर्शन परिवार आपका आभारी है एवं आशा करता है भविष्य में भी आपका सहयोग मिलता रहेगा।

सफलता पर हार्दिक शुभकामनाएँ ।

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा **श्रीमती आभा जैन पत्नी श्री अभयकुमार जैन** सागर को उनके द्वारा प्रस्तुत 'सीहोर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की राजनीति के निर्धारकों का एक अध्ययन' विषय पर डॉ. जी.के. शर्मा विभागाध्यक्ष–राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन अध्ययन शाला के मार्गदर्शन में शोध प्रबंध प्रस्तुत करने पर पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रिश्तेदारों व परिवारजनों ने डॉ. आभा जैन को बधाईयां दी।

श्री अमन सिंघई, पन्ना निवासी स्व. श्री भागचन्द्रजी एवं श्रीमती प्रेमदेवी के सुपौत्र तथा श्री श्रेयांस कुमार एवं श्रीमती अर्चना जैन, खरगोन के पुत्र है। प्रारंभ से प्रखर बुद्धि व दृढ़ निश्चय के धनी अमन ने दसवीं और बाहरवीं कक्षा में उच्चांक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया और वर्तमान में एन.आई.टी. सिल्चर (आसाम) से बी.टेक (कम्प्यूटर सांइस) के अंतिम सेमेस्टर में अध्ययनरत है। अपनी असाधारण प्रतिभा और लगन से अमन पांचवें सेमेस्टर में ही केम्पस सिलेक्शन द्वारा सैमसंग कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर लगभग 7.75 लाख के आकर्षक पैकेज पर चयनित हो चुके है। अपने करियर में विभिन्न प्रतिकूल परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अमन ने कभी हार नहीं मानी जिसका परिणाम इस सफलता के रुप में उन्हें और उनके पूरे परिवार को गौरवांवित कर रहा है।

श्री दिनेश कुमार–अर्चना जैन के सुपुत्र **श्री अंकित जैन** ने सी.एस. की परीक्षा के दोनो ग्रुपों को प्रथम प्रयास में ही उत्तीर्ण किया, आप वर्तमान में मुंबई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है।

गोलालारीय दर्शन परिवार आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

विनम्र श्रद्धांजलि

जन्म तिथि
21 मार्च, 1921

देह परिवर्तन
03 जनवरी, 2014

पूज्य पिताजी श्री बाबू पूरनचंद जैन (सेंट्रल बैंक) सागर की स्मृति में

स्नेह भाव का सिंचन करके, बगिया सा विस्तार दिया।
और सभी को निज जीवन के, अनुभव का आधार दिया।।
याद आपकी हृदय–हृदय में, अमिट रुप से व्याप्त रहेगी।
लेकिन यादों की परिभाषा, बस कैसे पर्याप्त रहेगी।।
कर्त्तव्यों की राह आपकी, हमको तो बस चलना है।
सुख में–दुख में सदा स्मरण, पिता श्री आपका करना है।।

–:: विनयावनत ::–

पुत्र–पुत्रवधु : संतोष–श्रीमती सरोज (भोपाल),
सी.ए. श्रेयांश–श्रीमती शरद (ग्वालियर)
डॉ. वीरेन्द्र–श्रीमती अमिय (दिल्ली), दिलीप–श्रीमती सीमा (वापी)
पुत्री–दामाद : श्रीमती सरोजनी (विदिशा), श्रीमती सरला–नेमीचंद जैन (ग्वालियर)
श्रीमती सुमन–अनिल जैन (भोपाल)
पौत्र–पौत्री : श्रीमती आशी–विवेक, अतुल–श्रीमती चांदनी,
श्रीमती प्रगति–अंकित, श्रीमती प्रियंका–तुषार
मंयक, विपुल, मयूर, अनीष, आर्यन
प्रपौत्र–प्रपौत्री : प्रिशा, मनित, विदित

बधाईयाँ

श्री ए.एल. फणीश पंजाब नेशनल बैंक के पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक, लांयस क्लब के अध्यक्ष रहे है। पदाधिकारी के रुप में सकल दि. जैन समाज समिति, श्री दि. जैन शीतल विहार न्यास, श्री परमानंद दि. जैन मंदिर से आज भी जुड़े है एवं महावीर इंटरनेशनल के भी सदस्य है। सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनो में रुचि है एवं उनमे सदैव सक्रिय भागीदारी रहती है। **धन्यवाद –** गोलालारीय दर्शन परिवार आपको हार्दिक शुभकामनाएँ देता है, आप विशेष सहयोगी सदस्य होने के साथ समय समय पर आर्थिक सहयोग देकर हमारा संबल बढ़ाते रहे है।

प्रसिद्ध भजन गायिका 'चंदन का पालना' फेम **श्रीमती सीमा अजीत जैन** को दिगम्बर जैन महिला संगठन, इन्दौर द्वारा दिनांक 5 फरवरी 2014 को उदासीन आश्रम में इन्दौर स्तरीय 'राष्ट्रीय गीत' एकल गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर सुयश प्राप्त किया।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाईयां।

मालवा–निमाड़ क्षेत्र की पारिवारिक पुस्तिका 'प्रयास' वर्ष 2014 के प्रकाशन की तैयारियां प्रारंभ

बाहुबली जैन, इन्दौर। श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास इन्दौर की साधारण सभा व कार्यकारिणी समिति के निर्णय अनुसार पहली बार मालवा–निमाड़ क्षेत्र में निवासरत परिवार, अध्ययनरत विद्यार्थी व कार्यरत सदस्यों की पूर्ण पारिवारिक जानकारी को समाहित कर प्रकाशित किया जाना प्रस्तावित है। सात वर्ष पश्चात प्रकाशित होने वाली इस बहुरंगी 'प्रयास' पुस्तिका में परिवार के मुखिया व प्रत्येक सदस्य की पूर्ण जानकारी के साथ मुखिया की धर्मपत्नी के मायके की जानकारी भी प्रकाशित की जाना है।

मालवा–निमाड़ में निवासरत प्रत्येक परिवार को जनगणना फार्म भेजे जा चुके है उन्हें पूर्ण रुप से भरकर धर्मपत्नी के फोटो के साथ 31 मार्च 2014 तक जमा कराना है। जिन सदस्यों को फार्म प्राप्त नहीं हुए है वे समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंद जैन 9329524227, सचिव श्री बाहुबली जैन 9425903301, श्री अशोक कुमार जैन 9893356252 से संपर्क कर सकते है।

विशेष – आपके प्रतिष्ठानों के विज्ञापन एवं प्रत्येक पृष्ठ की सौजन्य लाईन की सहयोग राशी हेतु संपर्क करे ।

विनम्रश्रद्धांजली

- **चि. तरुण रमेशचंद जैन** का निधन अल्पायु में दिनांक 8/12/13 को रायपुर में हो गया।
- **श्री रवीन्द्र भागचंद जैन** का निधन दि. 10/12/13 को इन्दौर में हो गया।
- **श्री अशोक मुन्नालालजी जैन** का निधन दि. 11/12/13 को विदिशा में हो गया।
- **श्री मगनलालजी जैन** विदिशावालों का निधन दि. 20/12/13 को इन्दौर में हो गया।
- श्री सुमेरचंदजी की पुत्रवधू श्री पवन जैन की धर्मपत्नी **श्रीमती सरोज जैन** का निधन दि. 27/12/13 को इन्दौर में हो गया।
- **श्री राकेश हेमचंद जैन** जबलपुरवालों का निधन दि. 31/12/13 को इन्दौर में हो गया।
- इंजी. श्री कोमलचंदजी जैन विदिशावालों के छोटे पुत्र **श्री अवनीश जैन** का निधन दि. 1/1/14 को इन्दौर में हो गया है।
- **श्री भागचंद चुन्नीलालजी जैन** का निधन दि. 16/1/14 को विदिशा में हो गया।
- **श्री विमलचंद जैन** स्व. श्री हरकिशनलाल जी जैन का निधन दि. 20/1/14 को इन्दौर में हो गया।
- **श्री शिखरचंदजी जैन** का निधन दि. 26/1/14 को विदिशा में हो गया।
- **श्री रतनलालजी जैन** का निधन दि. 2/3/14 को इन्दौर में हो गया। परिजनों ने उनकी स्मृति में 5100/– रु. मंदिरजी की दो जालियां निर्माण हेतु दान दिया।

गोलालारीय दर्शन परिवार भाव भीनी श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

श्री तरुण जैन

श्री अशोक जैन

श्री भागचंद जैन

श्री शिखरचंद जैन

श्री रतनलाल जैन

नोट – कृपया श्रद्धांजली कॉलम में प्रकाशन के लिए सदस्य की संक्षिप्त जानकारी कलर फोटोग्राफ सहित भेजें।

दाम्पत्य जीवन की प्रथम वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

सौ. दिव्या जैन

सुपौत्री : सवाई सिंघई श्री रामचन्द्र जैन
सुपुत्री : श्रीमती राजेश्वरी – श्री देवेन्द्र कुमार जैन, मगरपुरवाले, झांसी (उ.प्र.)
का शुभ विवाह

चि. ऋषभ जैन

सुपौत्र : स्व. श्री मिश्रीलाल जैन
सुपुत्र : श्रीमती राजकुमारी – श्री सनत कुमार जैन, नयाखेड़ा वाले, बीना (म.प्र.)
के साथ
दिनांक 31 जनवरी 2013 को बीना में सानंद पूर्वक संपन्न हुआ।

शुभकामनाओं सहित...

श्रीमती वन्दना – श्री दीपक जैन, श्री दीपेन्द्र जैन
श्रुत जैन, सुयश जैन, श्रीमती रश्मि – श्री नीरज जैन, कु. ऋचा जैन

अपूर्व संग कीर्ति के प्रथम विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

माता-पिता : श्री अरविंदकुमार-ज्योति जैन (ललितपुर) अध्यक्ष गोलालारीय समाज
श्री सुभाषचंद्र-सुनीता जैन (राजगढ़)
बहन : कु. आकांक्षा जैन
भैया-भाभी : श्री यश-स्वाति जैन (भोपाल)
ताउ-ताईजी : श्री आर.के.-प्रेमवती जैन (सीहोर)
श्री सी.के.-सुधा जैन (भोपाल)
बुआ-फूफाजी : श्रीमती शांतीबाई जैन (खुरई), श्रीमती सुशीला जैन (बासोदा)
श्रीमती मनोरमा-अशोक कुमार जैन (विदिशा)
श्रीमती पुष्पलता-जिनेन्द्र जैन (उज्जैन)
नाना-नानीजी : पं. फूलचंद-प्रभादेवी जैन (हरपालपुर)
मामा-मामीजी : श्री श्रेयांसकुमार-सुषमा जैन (हरपालपुर)
श्री अभिनंदन-सुषमा जैन (छतरपुर)
मौसा-मौसाजी : श्री महेशचंद-सुषमा जैन (बौद्धगया)

नव दाम्पत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. राहुल

सुपौत्र : स्व. श्री जालमचंदजी जैन
सुपुत्र श्रीमती मंजूलता-स्व. श्री अशोक कुमार जैन, इन्दौर
का शुभ विवाह

सौ. कां. ज्योति

सुपौत्री : स्व. श्री मनसुखलाल जैन
सुपुत्री श्रीमती शशि-विनोदकुमार जैन, देवेन्द्र नगर
से दिनांक 26 जनवरी 2014
को इन्दौर में सानंद संपन्न हुआ।

चि. अभिषेक

सुपुत्र : श्रीमती निर्मला-अरविंद कुमार जैन तुमसर
का शुभ विवाह

सौ. कां. नेहा

सुपुत्री : श्रीमती सुशीलादेवी-अशोक कुमार जैन, झांसी
से दिनांक 14 फरवरी 2014
को तुमसर में सानंद संपन्न हुआ।

दाम्पत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ...

सौ. कां. अम्बर (मनु)

सुपौत्री श्रीमती कमला-स्व. श्री कुबेरचंदजी जैन
सुपुत्री श्रीमती अर्चना-अनिल जैन मंडला
का शुभ विवाह

चि. अंकित

सुपौत्र स्व. श्रीमती धापूबाई - स्व.श्री लाडूलालजी जैन
सुपुत्र श्रीमती संगीता-बीरेन्द्रकुमार जैन, झुमरी तलैया के साथ
दिनांक 16 फरवरी 2014 को सानंद पूर्वक मंडला में संपन्न हुआ।

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ...

चि. हर्षिल

:: प्रतिष्ठान ::

दीर्घा क्रियेशन
(सचिन जैन, 94253-20512)

राजेन्द्र गर्ग एण्ड कम्पनी
(हेमलता जैन, 98267-23117)

ज़ील कम्प्यूटर एण्ड ग्राफिक्स
(सुमित जैन, 94250-60975)

पापा-मम्मी : **सचिन-हेमा जैन** * दादा-दादी : **जिनेन्द्र-सुनीता जैन**
चाचा : **सुमित जैन** * बहन : **दीर्घा**

आत्मा के कल्याण का द्वार है क्षेत्रपालजी

विशाल जैन पवा, ललितपुर। अतिशय क्षेत्र क्षेत्रपालजी ललितपुर में राष्ट्रसंत आचार्य प्रवर विद्यासागरजी महाराज के मंगलमय आशीर्वाद एवं तीर्थक्षेत्र उद्धारक मुनि पुंगव सुधासागरजी महाराज की प्रेरणा से 3 दिसम्बर 2012 को प्रारंभ हुए अनंत कालीन श्री मानतुङ्गाचार्य कृत श्री 1008 भक्तामर महामण्डल विधान एवं अखण्ड पाठ निर्विघ्न निरंतर ही चल रहा है, वास्तव में यह एक अद्भुत धार्मिक अनुष्ठान है, जिसकी महिमा अवरणीय है। मुझे इस सक्रांति पर 15 जनवरी के दिन इस ऐतिहासिक धार्मिक अनुष्ठान में समय देने का अवसर मिला, जिसके एहसास को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। प्रतिदिन की भांति प्रातःकाल की बेला में अतिशय युक्त मूलनायक भगवान अभिनंदननाथ का मस्तकाभिषेक मंत्रोच्चार के मध्य वृहद शांतिधारा एवं पूजन विधान की क्रियाएं विधिपूर्वक की गयी। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर संगीतमय धुन में भक्तामरजी का पाठ कर पुण्यार्जन किया। सायंकाल की बेला में भारी जन समूह के मध्य श्रावक श्रेष्ठी परिवार ने 48 काव्यों में भक्तामर पाठ और मंत्रोच्चार के मध्य द्वीप प्रज्वलित किये तथा चमत्कारी बाबा की महाआरती की गयी, जिसमें श्रद्धालुओं ने वाद्य यंत्रों की धुन पर नाचते झूमते हुए भगवान अभिनंदन नाथ की भक्ति में पुण्यार्जन किया। वास्तव में सकल दिगम्बर जैन समाज ललितपुर का यदि इसी तरह सहयोग मिलता रहा तो निश्चित ही क्षेत्रपालजी के इतिहास में नये आयाम जुड़ते रहेंगे, अपने जीवन को सुधारने और आत्मा का कल्याण करने के लिए इस समारोह में अधिक से अधिक समय प्रदान करते हुए इसकी सफलता के लिए हर संभव मदद करने का संकल्प करना चाहिए, क्योंकि अब क्षेत्रपाल जी आत्मा के कल्याण का द्वार बन गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रेमकुमार रेखा जैन झांसी, सीमा जैन ग्वालियर, अंशु जैन ग्वालियर, आकांक्षा जैन तालबेहट, श्रीमती मालती राहुल जैन पृथ्वीपुर, श्रीमती अनीता अंश जैन जखोरा, अभिषेक कुमार नेहा जैन पारस साईकिल, राजीव कुमार राहुल जैन नईबस्ती सहित सकल समाज एवं क्षेत्र प्रबंध समिति का सहयोग रहा।

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ...

इशिका जैन

14 अप्रैल 2014

पापा-मम्मी : **सत्येन्द्रकुमार - सोनिया जैन**
दादा-दादी : **प्रकाशचंद-मुन्नीबेन जैन**
नाना-नानी : **महेशकुमार-शशिबेन जैन**
चाचा : **सौरभ जैन**

6, मंगल ध्वनि सोसायटी, रामराज्य नगर, ओढ़व,
अहमदाबाद - 382415

बायोडॉटा प्रारूप का विवरण

1.	क्रमांक	9.	वर्ण
2.	प्रत्याशी का पूरा नाम	10.	व्यवसाय
3.	स्वयं / माता का गोत्र	11.	वार्षिक आय
4.	जन्म दिनांक	12.	कुंडली मिलान
5.	जन्म समय (रेलवे टाईम)	13.	मंगली
6.	जन्म स्थान	14.	पत्र व्यवहार का पता
7.	शिक्षा	15.	फोन / मोबाईल नं.
8.	कद / वजन	16.	प्रत्याशी का ईमेल

प्रत्याशी का नवीन फोटो

1.	001		
2.	सनत कोमलचंद जैन		
3.	पवैया/चढ़ार		
4.	27.12.78	11.	3.00 लाख
5.	07.00	12.	–
6.	उज्जैन	13.	–
7.	बी.कॉम	14.	नेहरु वार्ड, आमा बावड़ी के पास खुरई जिला सागर (म.प्र.)
8.	5'4"		
9.	गेहुँआ	15.	8435408586, 07581240722
10.	नौकरी	16.	

1.	002		
2.	संदीप कोमलचंद जैन		
3.	पवैया/चढ़ार		
4.	20.11.82	11.	2.40 लाख
5.	12.40	12.	–
6.	खुरई	13.	–
7.	बी.कॉम	14.	नेहरु वार्ड, आमा बावड़ी के पास खुरई जिला सागर (म.प्र.)
8.	5'8"		
9.	गोरा	15.	8435408586, 07581240722
10.	व्यापार	16.	

1.	003		
2.	रितेश राजकुमार जैन		
3.	सिंघई/भंडारी		
4.	04.07.85	11.	1.20 लाख
5.		12.	–
6.		13.	–
7.	एम.कॉम	14.	गायत्री मंदिर के पीछे स्वरुप टाकिज रोड, दुर्ग
8.	5'6"/58 कि		
9.	गोरा	15.	9827747005, 9827882022
10.	नौकरी	16.	email :

1.	004		
2.	नमन प्रमोद कुमार जैन		
3.	सोनव्यारे/वैद्य		
4.	19/11/1985	11.	12.00 लाख
5.	1.45	12.	हाँ
6.	विदिशा	13.	नहीं
7.	बी.ई. (इलेक्ट्रीकल)	14.	280, वीर हकीकतराय मार्ग, कच्छी धर्मशाला के पास, विदिशा
8.	5' 4"		
9.	गोरा	15.	7592235474, 9425148975
10.	साफ्टवेयर इंजीनियर	16.	–

1.	005		
2.	सिद्धार्थ राजेश मानोरिया		
3.	मानोरिया/फणीश		
4.	25.07.89	11.	2.70 लाख
5.	–	12.	हाँ
6.	विदिशा	13.	हाँ
7.	बी.ई. इलेक्ट्रानिक्स	14.	डी–131, अरिहंत हिल्स, अरिहंत विहार कालोनी, विदिशा
8.	5' 7"		
9.	गोरा	15.	09406522444, 9584520344
10.	नौकरी आई टी आई	16.	sid.manoriya@gmail.com

1.	006		
2.	अजित अशोक कुमार जैन		
3.	फणीश/वैद्य		
4.	27.11.83	11.	1.80 लाख
5.	02.10	12.	हाँ
6.	विदिशा	13.	हाँ
7.	बी.सी.ए	14.	प्रताप भानू शर्मा के घर के पीछे, लुहांगीपुरा, विदिशा (म.प्र.)
8.	5'6"		
9.	गेहुँआ	15.	9301193828, 9300648481
10.	सर्विस – ट्रेवल एजेंसी	16.	email :

1.	007		
2.	राहुल कैलाशचंद जैन		
3.	बिलौआ/पवैया		
4.	26.02.86	11.	3.50 लाख
5.	09.45	12.	हाँ
6.	ललितपुर	13.	आंशिक मंगल
7.	एम.बी.ए.	14.	23, चौबयाना, ललितपुर
8.	5'10"/65 कि.ग्रा.	15.	09889938687 09450035174
9.	गोरा		
10.	थोक विक्रेता मोबाईल	16.	email :

1.	008		
2.	अनुराग विनोद कुमार जैन		
3.	पटवारी/फणीश		
4.	03.08.81 –	11.	
5.	00.30	12.	हाँ
6.	–	13.	–
7.	बी.कॉम पीजीडीसीए	14.	15, महावीर विहार कालोनी, झांसी रोड टीकमगढ़
8.	5'8"		
9.	गोरा	15.	09584807130, 9893450301
10.	डिस्पोजल पेपर प्रोडक्ट	16.	

1.	009		
2.	विवेक विनोद कुमार जैन		
3.	सोनव्यारे/वैद्य		
4.	20.08.87	11.	–
5.	–	12.	–
6.	अमानगंज (पन्ना)	13.	–
7.	बी.ए., पीजीडीसीए	14.	विकास इलेक्ट्रीकल्स, पुराना बस स्टैण्ड के पास, अमानगंज, जिला पन्ना
8.	5'2"		
9.	–	15.	9584968594, 9993167543
10.	विवेक आटो सेंटर	16.	

1.	010		
2.	अभिषेक सनतकुमार जैन		
3.	फणीश/चढ़ार		
4.	09.10.85	11.	3.12 लाख
5.	18.20	12.	हाँ
6.	अहमदाबाद	13.	–
7.	बीएचएएस, एमबीए (मार्के.)	14.	8, क्रिसेमणी बंग्लोज, रीटीएम चार रास्ता, अमराईवाडी, अहमदाबाद–26
8.	5'11"		
9.	साफ	15.	9913186040
10.	सर्विस–हेल्थ केअर	16.	email :

1.	011		
2.	सृजन डॉ. महेन्द्रकुमार जैन		
3.	पंचरतन/लंगुर		
4.	03.07.88	11.	–
5.	23.30	12.	–
6.	भोपाल	13.	–
7.	बीसीए, पीजीडीसीए	14.	13, अरिहंत विहार कालोनी, प्रथम फेज विदिशा (म.प्र.)
8.	5'4"		
9.	साफ	15.	9039170255, 9827609408
10.	आर्किटेक्ट	16.	email :

बायोडाटा प्रकाशन शुल्क 150 रु. की राशि इस पत्रिका को निकालने में एक अहम भूमिका निर्वाह करती है, अपना सहयोग इसी प्रकार देकर हमें संबल प्रदान करें। आपके बायोडाटा के प्रकाशन में यदि कोई गंभीर त्रुटि रह गई हो तो प्रधान संपादक/संयोजक को सूचित करें ।

1.	012		
2.	मयूर संतोषकुमार जैन		
3.	किलेरी/–		
4.	18.07.88	11.	6.00 लाख
5.	12.15	12.	–
6.	अहमदाबाद	13.	–
7.	बी.कॉम, एमबीए (फायनेंस)	14.	बी/33 अजय टेनेमेंट–2, ईश्वरकृपा सो. अमराईवाडी, अहमदाबाद–26
8.	5'7"/65 कि.ग्रा.		
9.	गेहुँआ	15.	9377381217
10.	सर्विस – नैरोबी (केन्या)	16.	mayur6770@yahoo.in

1.	013		
2.	मयंक संजय कुमार जैन		
3.	गोट/पंचरतन		
4.	31.03.88	11.	–
5.	18.35	12.	हाँ
6.	बीना	13.	–
7.	बी.ई., आई.एस.	14.	आचार्य सुमती सागर त्यागी व्रती आश्रम मधुबन, पोस्ट शिखरजी, झारखंड
8.	5'5"		
9.	गेहुँआ	15.	07352497210
10.	सर्विस विप्रो कं.	16.	email :

1.	014		
2.	अंशुल केवलचंद्र जैन		
3.	बिलौआ/		
4.	20.10.85	11.	2.43 लाख
5.	7.00	12.	–
6.	ककरहटी, पन्ना	13.	–
7.	बी.ए., पीजीडीसीए, एमएसडब्ल्यू	14.	ग्राम पोस्ट ककरहटी जिला पन्ना
8.	5'8"/ 68 कि.ग्रा.		
9.	साफ	15.	09993404942, 08959231857
10.	सर्विस – एचडीएफसी बैंक	16.	email :

1.	015		
2.	सुनील प्रकाशचंद जैन		
3.	दिवाकीर्ति/सिंघई		
4.	10.07.80	11.	–
5.	13.40	12.	हाँ
6.	बीना	13.	–
7.	एम.कॉम, पीजीडीसीए	14.	इटावा बाजार, हनुमान मंदिर के पीछे बीना जिला सागर
8.	5' 6"		
9.	गेहुँआ	15.	9424450927, 9826547508
10.	मोबाईल गैलरी	16.	

1.	016		
2.	गौरेन्द्र महेशचंद्र जैन		
3.	बिलौआ/वैद्य		
4.	02.01.85	11.	5.40 लाख
5.	22.20	12.	हाँ
6.		13.	आंशिक मंगल
7.	एम.कॉम, पीजीडीसीए	14.	शाह कालोनी, बीन, सागर (म.प्र.)
8.	5'7"		
9.	गोरा	15.	07580–22576, 9893683344
10.	व्यवसाय	16.	

1.	017		
2.	गौरव देवेन्द्रकुमार जैन		
3.	पंचरतन/सिंघई		
4.	10.10.80	11.	0.60 लाख
5.	15.50	12.	
6.	सतना	13.	
7.	एम.कॉम, पीजीडीसीए,	14.	जैन मंदिर के पास, पु.पो. जैतवारा जिला सतना (म.प्र.)
8.	5' 4"/55 कि.ग्रा.		
9.	गोरा	15.	9424740423, 07671–274596
10.	संविदा शिक्षक वर्ग 3	16.	

1.	018		
2.	पारस सुनील पंचरतन		
3.	पंचरतन/बिलौआ		
4.	31.03.84	11.	3.50 लाख
5.	08.09	12.	हाँ
6.	खुरई, सागर	13.	नहीं
7.	एमबीए	14.	24, बाणसागर शिरहुला कालोनी रीवा
8.	5' 5"/58 कि.ग्रा.		
9.	गेहुँआ	15.	07662–225504, 9425883857
10.	सर्विस – एयरटेल	16.	panchratanparas@gmail.com

1.	019		
2.	अनुज जिनेन्द्रकुमार जैन		
3.	वैद्य/चढ़ार		
4.	20.10.83	11.	1.00 लाख
5.	9.55	12.	हाँ
6.	इन्दौर	13.	नहीं
7.	एम.एस.सी	14.	25, एल.आई.जी. हाउसिंग बोर्ड कालोनी सनसिटी 2 के पास, देवास (म.प्र.)
8.	5'10"/70 कि.ग्रा.		
9.	गेहुँआ	15.	07272–258413, 9406618309
10.	सर्विस	16.	anuj.dewas@gmail.com

1.	020		
2.	नितिन राजेन्द्रकुमार जैन		
3.	पंचरतन/फणीश		
4.	10.10.85		
5.	10.15	11.	3.00 लाख
6.	विदिशा	12.	हाँ
7.	बी.ई. कम्प्यूटर साईंस	13.	नहीं
8.	5'9"	14.	117, शिक्षक कालोनी विदिशा – 464001
9.	गोरा		
10.	एआईएमबीएस, बैंगलोर	15.	8720010833

1.	021		
2.	जितेन्द्र हुकुमचंद जैन		
3.	फणीश/पवैया		
4.	15/02/1981	11.	–
5.	–	12.	–
6.	–	13.	–
7.	बी.ए.	14.	दुर्गा चौक, तलैया मोहल्ला विदिशा
8.	5' 5"		
9.	–	15.	07592404303, 9424491290
10.	जनरल स्टोर्स	16.	–

1.	022		
2.	राहुल राजकुमार जैन		
3.	पंचरतन/सोनव्यारे		
4.	19/10/1985	11.	45 लाख
5.	18.55	12.	हाँ
6.	बबीना (झांसी)	13.	नहीं
7.	बी.टेक. (ई.सी.)	14.	766, मैन रोड़, बबीना कैण्ट (झांसी) – 284401
8.	5' 10"/65 कि.ग्रा.		
9.	गोरा	15.	0510274006l, 9415948076
10.	सर्विस Accenture, USA	16.	email : jain.rajkumar1951@gmail.com

1.	023		
2.	सार्थक डॉ. महेन्द्र कुमार जैन		
3.	पंचरतन/लंगुर		
4.	03/07/1988	11.	–
5.	23.32	12.	–
6.	भोपाल	13.	–
7.	बी.एम.एल.टी.	14.	13, प्रथम फेस, अरिहंत विहार कॉलोनी विदिशा (म.प्र.)
8.	5' 8"		
9.	साफ	15.	9039170255
10.	पैथालॉजी लैब	16.	–

1.	024		
2.	रोहित राजकुमार जैन		
3.	सिंघई/भंडारी		
4.	31.07.83	11.	2.16 लाख
5.	07.10	12.	–
6.	दुर्ग	13.	–
7.	बी.एस.सी., एल.एल.बी	14.	गायत्री मंदिर के पीछे स्वरूप टाकिज रोड, दुर्ग
8.	5'5''/50 कि		
9.	गेहुँआ	15.	9827747005, 9827882022
10.	नौकरी	16.	email :

1.	025		
2.	सौरभ वीरेन्द्र कुमार जैन		
3.	दिवाकीर्ति/पवैया		
4.	29/04/1985	11.	2.60 लाख
5.	5.00	12.	हां
6.	ललितपुर	13.	नहीं
7.	एम. टेक	14.	गली नं. 2, गणेश गंज मार्ग, विदिशा
8.	5' 9''		
9.	गोरा	15.	7592236901, 9425463801
10.	सर्विस – व्याख्याता	16.	–

1.	026		
2.	अभिषेक अशोक कुमार जैन		
3.	गोटे/फणीश		
4.	29.09.86	11.	–
5.	13.50	12.	–
6.	–	13.	–
7.	एम.एस.सी (आर्गेनिक केमिस्ट्री)	14.	12, शिव गणेश पार्क, प्रहलाद पार्क के सामने, वस्त्राल, अहमदाबाद (गुजरात)
8.	5'5''		
9.	–	15.	09137753881, 09825312762
10.	सर्विस – टोरेंट फार्मास्यूटिकल लि.	16.	-

1.	027		
2.	मनी जिनेन्द्र कुमार मोदी		
3.	वैद्य/दिवाकीर्ति		
4.	19/06/1991	11.	–
5.	13.13	12.	–
6.	इन्दौर	13.	–
7.	एम.बी.ए.	14.	437, न्यू गोरी नगर, जैन मंदिर के सामने, इन्दौर
8.	5' 2''		
9.	गोरा	15.	9977051810, 8889129266
10.	–	16.	–

1.	028		
2.	प्रियंका सुरेन्द्रकुमार जैन		
3.	पंचरत्न/फणीश		
4.	12/04/1987	11.	–
5.	7.20	12.	हाँ
6.	बबीना (झांसी)	13.	नहीं
7.	एम.फार्मा.	14.	नवीन बुक डिपो, 765, मैन रोड़ बबीना कैण्ट (झांसी)
8.	155 से.मी./45 कि.ग्रा.		
9.	गोरा	15.	05102740061, 9415948287
10.	–	16.	email : surendrajain_babina@yahoo.in

1.	029		
2.	पूजा अवनीशकुमार जैन		
3.	सोनव्यारे/सिंघई		
4.	20.07.88	11.	2.00 लाख
5.	–	12.	–
6.	ललितपुर	13.	–
7.	एमबीए (एचआर फायेनस)	14.	ए–3, पार्श्वनाथ रिजेंसी, आजादपुरा ललितपुर
8.	5'3''/50 कि.		
9.	गोरा	15.	9450034043
10.	सर्विस– बैंक	16.	email :

1.	030		
2.	मैनसी नरेश जैन		
3.	फणीश/वैद्य		
4.	07.04.92	11.	–
5.	10.10	12.	हाँ
6.	विदिशा	13.	नहीं
7.	बी.ई (सी.एस.)	14.	चिन्मय भवन, पोस्ट आफिस के पीछे विदिशा (म.प्र.)
8.	5' 3''/50 कि.ग्रा.		
9.	साफ	15.	9630932276, 9893947257
10.	सर्विस –	16.	jainnitin1100@gmail.com

1.	031		
2.	स्वाती आनंद जैन		
3.	फडीश/भंडारी		
4.	13.12.90	11.	–
5.	17.45	12.	हाँ
6.	विदिशा	13.	नहीं
7.	एम.एस.सी. (कम्प्यूटर)	14.	चिन्मय भवन, पोस्ट आफिस के पीछे विदिशा (म.प्र.)
8.	5'/		
9.	साफ	15.	07592–237850, 9827231440
10.	सर्विस –	16.	

1.	032		
2.	निधि रवीन्द्र जैन		
3.	गुडारे/पंचरत्न		
4.	14.08.1988	11.	–
5.	8.30	12.	हाँ
6.	मऊरानीपुर	13.	हाँ
7.	एम.ए., एम.एड	14.	अरिहंत वस्त्रालय, बड़ा बाजार मऊरानीपुर (झाँसी)
8.	5' 3''/40 कि.ग्रा.		
9.	गोरा	15.	9506696445, 05178260706
10.	–	16.	–

1.	033		
2.	नुपुर हेमराज जैन		
3.	जखेरिया/पंचरत्न		
4.	29/09/1989	11.	–
5.	16.40	12.	–
6.	इन्दौर	13.	–
7.	बी.ई., ई.सी.	14.	19, ब्रजेश्वरी एनेक्स इन्दौर
8.	5' 2''		
9.	गोरा	15.	9425973743, 9826028779
10.	सर्विस – लेक्चरार	16.	–

1.	034		
2.	केयूरी इंजी. वीरेन्द्र कुमार भंडारी		
3.	भंडारी/मोदी		
4.	20/01/1989	11.	5.40 लाख
5.	18.00	12.	–
6.	भोपाल	13.	–
7.	बी.ई., आई.टी., आनर्स	14.	चर्च के पास, राम सहाय कॉलोनी, शेरपुरा, विदिशा
8.	5' 3''		
9.	गोरा	15.	7592250227, 9425641455
10.	सर्विस – एक्सचैंजर	16.	–

1.	035		
2.	शोनम धर्मेन्द्रकुमार जैन		
3.	वैद्य/–		
4.	18.06.90	11.	–
5.	06.50	12.	हाँ
6.	–	13.	–
7.	बी.ए.	14.	राजारानी वस्त्र भंडार, पुराना बस स्टेण्ड मेन रोड, घंसौर, सिवनी (म.प्र.)
8.	5' 2'		
9.	गोरा	15.	07693–280121, 9424628516
10.	–	16.	–

सहयोग के लिए हाथ बढ़ायें

समाज अपनी सामजिक एवं धार्मिक गतिविधियों की जानकारी समाजजनों तक पहुंचाने के लिए समाचार पत्रों का प्रकाशन करते रहे है। अभी तक हमारे समाज की कोई भी पत्रिका नहीं होने से हमारे संगठनों, संगठनों की गतिविधियों व समाज प्रतिभाओं की ख्याति एक सीमित दायरे तक ही रह जाती थी। हमारी समाज में एक से एक प्रतिभाशाली प्रतिभाएँ है। जिन्होंने अनेको क्षेत्रों में अपनी कार्यकुशलता का परचम लहराया है परन्तु समाज स्तर पर उचित मंच प्राप्त ना होने के कारण उनकी ख्याति से हम सब अवगत नहीं हो पाये । एकमात्र इसी पावन उद्देश्य के साथ हमने गोलालारीय समाज का मुखपत्र **''गोलालारीय दर्शन''** के प्रकाशन का बीड़ा उठाया है, जिसमें आपसे सभी तरह का सहयोग अपेक्षित है। आपकी जानकारी में समाज के वे सदस्य जिन्होंने शिक्षा, कला, साहित्य, संगठन व धर्म इत्यादि क्षेत्र में विशेष योगदान दिया है उनकी सचित्र जानकारी हमें प्रेषित करें। हम इस पत्रिका के माध्यम से उन्हें उचित मंच प्रदान कर सम्मानित करेंगे व संपूर्ण भारत में फैले गोलालारीय समाज से भी परिचित करायेंगे। हमारे प्रयासों पर आपके विचार हमें स्फूर्ति के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगे।

इस पत्रिका के नियमित प्रकाशन में अर्थ (धन) की महत्वपूर्ण भूमिका है। आपने आज तक मंदिर निर्माण, पंचकल्याणक महोत्सव व अन्य धार्मिक व सामाजिक कार्यों में खुले हृदय से दान कर मान सम्मान अर्जित किया है, उसी तरह समाज जागरुकता के इस पावन प्रयास में भी आप खुले हृदय से आर्थिक सहयोग अवश्य ही प्रदान करेंगे ताकि पत्रिका के प्रकाशन में निरंतरता बनी रहे। समाज निर्माण व जागरुकता के इस अभियान में आप शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक एवं विशेष सहयोगी के रुप में आर्थिक सहयोग प्रदान कर आपको उसी तरह का सुख, पुण्य एवं आनंद प्राप्त होगा , जितना धार्मिक अनुष्ठान या मंदिर निर्माण में दान करते समय प्राप्त होता है। – **संपादक**

गोलालारीय दर्शन के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण घोषणा फार्म - 4 (नियम 8)

1.	प्रकाशक स्थल	127, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
4.	प्रकाशक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
5.	संपादक का नाम	राजेन्द्र जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	डीकेएन 230, विजय नगर, इन्दौर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों	श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, इन्दौर

मैं बाहुबली जैन एतद् द्वारा घोषित करता हूँ मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर
बाहुबली जैन
1 मार्च 2014 (प्रकाशक के हस्ताक्षर)

कृपया काटकर भेजें ✂ कृपया काटकर भेजें

गोलालारीय दर्शन – 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर ✲ सदस्यता आवदेन पत्र ✲

सदस्यता क्रं. ..... (आपको पते के स्टीकर पर अंकित क्रं. लिखे)

नाम (पिता के नाम सहित) _____

डाक पूर्ण पता _____

_____ **पिन कोड** _____

फोन/मोबाइल नं. _____

सामाजिक संस्थाओं में भागीदारी की जानकारी _____

नोट – यदि आपका बैंक खाता भारतीय स्टेट बैंक में है तो आप सदस्यता राशि का चेक काटर गोलालारीय दर्शन के बैंक खाते में अपनी ही शाखा में जमा करावें ताकि अनावश्यक बैंक शुल्क न लगे। अन्य बैंको से राशि भेजने वाले चेक/डी.डी द्वारा राशि जमा करावें।

अनुरोध – 'गोलालारीय दर्शन' पत्रिका में आगामी अंक से उन सभी सहयोगी दानदाताओं का सचित्र परिचय प्रकाशित किया जाना है जिन्होंने शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक **(सपत्नीक फोटो)**, संरक्षक व विशेष सहयोगी के रुप में इस पत्रिका के लिए धनराशि प्रदान कर हमारे इस छोटे से प्रयास को संबल प्रदान किया है। **जिन महानुभाव ने पत्रिका में सहयोग प्रदान किया है वे अपना संक्षिप्त परिचय अतिशीघ्र भेजें ताकि प्रकाशन किया जा सके।**

सादर जयजिनेन्द्र ....

WWW.JAINGOLALARIYA.ORG

वर्तमान समय में संचार के नवीन माध्यमों से संसार में दूरियाँ घट गई हैं। 4जी के युग में समय के साथ ताल मिलाने के लिए वर्तमान समय की आवश्यकता को देखते हुए श्री गोलालारीय दि. जैन समाज (भारत) की वेबसाईट बनाने का विचार आप सबके सामने हैं। आज के वर्तमान युग में वेबसाईट की आवश्यकता है। हम सबको आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि समाजजन तन–मन–धन से सहयोग करेगें।

❊ वर्तमान समय में समाज ने व्यक्तिगत विकास एवं समृद्धि बहुत तेजी के साथ हासिल की। हमारे समाज का युवा वर्ग काफी अच्छी शिक्षा के साथ देश में ही नहीं विदेशों में भी अपनी योग्यता का लोहा मनवा रहा है। किन्तु व्यक्तिगत विकास के साथ–साथ समाज में संगठनात्मक विकास पर भी हमें गौर करना चाहिए। वर्तमान समय में हम अन्य समाजों की अपेक्षा काफी पीछे है। हमें कारण पर नहीं, करने पर गौर करना चाहिए और समाज को संगठनात्मक रूप से मजबूत करने के लिए प्रयास करना चाहिए।

❊ वेबसाईट में किसी भी तरह का सुझाव है तो कृपया वेबसाईट के सुझाव के कॉलम में अंकित करें।

❊ आपका सहयोग काम करने वाले को प्रोत्साहित करता है। क्योंकि आप सर्वोपरि है, आपकी सर्वोचता कायम रहे। ❊ आप फेसबुक के माध्यम से भी सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों की जानकारी दे सकते हैं।

आवेदन पत्र – ऑनलाइन भी फार्म भर सकते है।

मुखिया का वर्तमान पासपोर्ट साईज फोटो

कृपया फॉर्म शुद्ध एवं स्पष्ट अंग्रेजी (केपिटल) अक्षर में भरें....

परिवार मुखिया का नाम (Name) :- .... पिताजी का नाम (Father Name) :- ....

जन्म तारीख (DOB) :- .... गौत्र (Gotra) :- .... मूल वतन (Village) :- ....

शैक्षणिक योग्यता (Education) :- ....

घर का पता (Resi. Address) :- ....

पिन कोड (Pin code) :- .... फोन नं. (Phone No.) :- ....

मोबा. (Mob.) :- .... नोट : इस नंबर पर आपको एसएमएस द्वारा सूचना प्राप्त होगी।

ब्लड ग्रुप (Blood Group) :- .... व्यवसाय/नौकरी (Occupation) :- ....

व्यवसाय का पता (Address) :- ....

ई–मेल (E-mail) :- .... फोन नं. (Phone No.) :- .... वेबसाईट (Website) :- ....

क्रं. Sr.	नाम Name	लिंग M/F	मुखिया से संबंध Relation	जन्म दि. D.O.B.	शिक्षा Education	व्यवसाय Occupation	वि./अ.वि. Married / Unmarried	ब्लड ग्रुप Blood Group	मोबाईल Mob. No.
1									
2									
3									
4									
5									
6									

❊ उक्त कॉलम में भरे सभी सदस्यों के फोटो संलग्न करें एवं फोटो के पीछे नाम व क्रम संख्या अवश्य लिखें।

❊ विवाह योग्य प्रत्याशियों की पूर्ण जानकारी (बायोडाटा) फोटो के साथ संलग्न करें। फोटो के पीछे नाम अवश्य लिखें।

मेरे द्वारा दी गई जानकारी सही व प्रकाशन योग्य है।

मुखिया के हस्ताक्षर ....

आपके सुझाव हमारा मार्गदर्शन करेंगे, अत: आप सुझाव अवश्य लिखें।

वेबसाईट का उपयोग एवं उससे प्राप्त होने वाली जानकारियाँ –

1. आप समाज के किसी भी परिवार की जानकारी जैसे की शिक्षा, व्यवसाय, शादी, ब्लडग्रुप एवं उसके संपर्क सूत्र प्राप्त कर सकते हैं। 2. प्रत्येक परिवार का स्वयं का Login ID और Password होगा। 3. आप अपने परिवार एवं व्यवसाय की जानकारी स्वयं Edit कर सकते हैं। 4. आप SMS के द्वारा समाज में हो रही गतिविधियों एवं महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत होंगे। 5. विवाह संबंधी जानकारी एवं कुंडली मिलान और उसकी महत्वपूर्ण जानकारी आप प्राप्त कर सकते हैं। 6. आप समाज की महत्वपूर्ण जानकारी एवं सुझाव भी दे सकते हैं। 7. Facebook एवं Twitter के यूजर उपयोग कर सकते हैं। 8. आप अपने प्रतिष्ठान का विज्ञापन भी दे सकते है जिसे पूरा विश्व देख सकेगा।

वेबसाईट के सरल संचालन हेतु कुछ निम्नलिखित जानकारियों को ध्यान से पढ़कर पालन करें।

❊ आपके कम्प्यूटर, मोबाईल को इंटरनेट से जोड़े

❊ वेबपेज पर **www.jaingolalariya.org** टाइप करें

अब अपनी Website का मुख्य पेज आपके सामने है जिस पर निम्न सुविधाएँ उपलब्ध होगी।

❊ लॉगिन ❊ सदस्य बने ❊ डायरेक्टरी ❊ वैवाहिक ❊ पारिवारिक विवरण ❊ सुझाव ❊ नवीन समाचार ❊ फेसबुक

1) लॉगिन : इस सेवा के माध्यम से आप अपने पारिवारिक विवरण में सुधार आदि कर सकते है आप समय समय पर आप अपनी जानकारी (माहिती) स्वयं बदल सकते है। **2) सदस्य बनें :** वेबसाईट में यदि आप के परिवार का विवरण उपलब्ध नहीं है तो आप इस सेवा के माध्यम से आपके परिवार का नया रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात, आप को एसएमएस द्वारा वेलकम मैसेज भेजा जाएगा और आप वेबसाईट के मेम्बर बन जाएगें। **3) डायरेक्टरी :** डायरेक्टरी बटन को क्लिक करते ही आप के कम्प्यूटर या मोबाईल पर एक नया पेज खुलेगा जिस पर आप समाज के किसी भी व्यक्ति के नाम से ❊ व्यक्ति के मूल वतन से ❊ व्यक्ति के गोत्र से ❊ व्यक्ति की शिक्षा से ❊ व्यक्ति के ब्लड ग्रुप से ❊ व्यक्ति की उम्र के आधार पर पूरे परिवार का विस्तृत विवरण फोटो के साथ देख सकते हैं। **4) वैवाहिक :** उस बटन को क्लिक करते ही एक नया पेज खुलेगा जिस में आप विवाह योग्य युवक तथा युवती का चयन उसकी शिक्षा, उम्र, व्यवसाय, गोत्र इत्यादि मय फोटो के साथ देख सकते है तथा प्रत्याशी की पारिवारिक जानकारी भी देख सकते हैं। **5) पारिवारिक विवरण :** मुख्य पृष्ठ पर दी गई पारिवारिक जानकारी आपको गोलालारीय समाज की जनसंख्या से अवगत कराती है आप समाज की कुल जनसंख्या, पुरूष सदस्य, महिला सदस्य, अविवाहित युवक–युवती इत्यादि की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। **6) सुझाव :** मुख्य पृष्ठ पर पारिवारिक जानकारी के नीचे आपके द्वारा दिए गए सुझाव आप तथा अन्य व्यक्ति देख सकते है तथा आप मूल्यवान सुझाव देकर इस कार्य को और सफल बना सकते हैं। **7) समाचार :** मुख्य पृष्ठ पर सुझाव के नीचे आपको समाज में हो रही गतिविधियों की जानकारी देखी जा सकती है। **8) फेसबुक :** यदि आप फेसबुक से जुडे हुए है तो आप की प्रोफाईल वेबसाईट के मुख्यपृष्ठ पर फेसबुक के कॉलम में दिखाई देगी तथा आप फेसबुक के माध्यम से दैनिक जानकारियों का आदान–प्रदान कर सकते हैं। **9) विज्ञापन :** किसी भी कार्य को सफल बनाने हेतु अर्थ (पैसा) की आवश्यकता हमेशा रहती है आप अपने प्रतिष्ठान का विज्ञापन या आप के शुभकामना सन्देश देकर वेबसाईट के कार्य को आर्थिक सहयोग करें आप का विज्ञापन/शुभेक्षा सन्देश वेबसाईट के माध्यम से पूरे भारत के गोलालारीय परिवार देख सकते हैं। **10) लेख :** इस पेज पर समाज के ही सदस्यों द्वारा भेजी गई अति महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते है, आप भारत वर्ष के तमाम तीर्थक्षेत्र एवं धर्मशालाओं की जानकारी और संपर्क सूत्र आदि भी प्राप्त कर सकते है जैन धर्म की तमाम धार्मिक जानकारी प्राप्त कर सकते है। **आप नीचे दिये गये हमारे क्षेत्रीय प्रतिनिधियों को फार्म दे सकते है या गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर पर फार्म को भेज सकते है।**

❊ भोपाल – श्री प्रदीपकुमार जैन 'एलआईसी' 9826011191 ❊ विदिशा – श्री कन्छेदीलाल जैन 9229670194 ❊❊ गंजबासौदा – श्री शांतिकुमार जैन 9425149105 ❊ टीकमगढ़ – श्री संजीव जैन 9893583521 ❊ पन्ना – श्री अभिषेक जैन, 9407348790 ❊ ब्रजपुर – श्री मनोज जैन 9753484027 ❊ ललितपुर – श्री शैलेष जैन 'पिन्टू' 9795211740 ❊ जबलपुर – श्री अरविंद जैन 'बाकल' 9425801942 ❊ झांसी – श्री राजेश जैन 9415031709 ❊ ग्वालियर – श्री नेमीचंद जैन 9039134953 ❊ डिण्डोरी – श्री राजीव जैन 9575656843 ❊ बीना – श्री संजय जैन 9039750233 ❊ इन्दौर – श्री राजेन्द्र जैन 'बागो' 9424013136 । धन्यवाद – जैन युवा समिति, वस्त्राल अहमदाबाद

हम आपसे आशा रखते है के आप अपनी इस वेबसाईट का पूर्ण रूप से उपयोग करेंगे यदि आप को वेबसाईट के उपयोग में भी किसी भी प्रकार की बाधा आये तो आप निम्नलिखित नंबर पर संपर्क कर सकते है – 09974621457, 09924859495, 09099013660

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स जील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित